हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:37 ■ नई दिल्ली 20 से 26 जून 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

छुट्टी मनाने मियामी पहुंची अनन्या पांडे...

अंतरिक्ष यात्रा से दुनिया को देखने का नजरिया बदल जाता है : राकेश शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रा इंसान की सोच को बदल देती है और उसे दुनिया को इस नजरिए से देखने पर मजबूर करती है कि यह ग्रह सबका है, किसी एक का नहीं।

शर्मा ने अपने विचार एक रिकॉर्ड किए गए पॉडकास्ट में साझा किए, जिसे रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को जारी किया जब 41 साल बाद फिर से एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने अंतरिक्ष की ओर कदम बढ़ाए।

बुधवार को भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री एक ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर रवाना हुए हैं। शर्मा ने 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन की कक्षा में आठ दिन बिताए थे।

शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस के वाणिज्यिक मिशन के तहत अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के तीन अन्य यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन रवाना होकर इतिहास रच दिया।

बुधवार रात जारी पॉडकास्ट में शर्मा ने कहा कि अपने चयन के समय वह भारतीय वायु सेना में एक परीक्षण पायलट थे। बाद में वह भारतीय वायुसेना से विंग कमांडर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

शर्मा ने कहा, उस समय मैं जवान था, फिट था और योग्य भी था, इसलिए मेरा चयन हो गया। इसके बाद हम मॉस्को के पास स्टार सिटी गए, जहां हमें प्रशिक्षण मिला। उन्होंने कहा, यह प्रशिक्षण 18 महीने तक चला, जो अंत में 1984 के भारत-सोवियत संयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बदल गया। यह आठ दिनों का मिशन था, जिसमें हमने कई वैज्ञानिक प्रयोग किए।

शर्मा ने याद किया कि पूरा प्रशिक्षण, तथा कक्षा में रहने के दौरान चालक दल के सदस्यों और मिशन नियंत्रण के बीच संचार रूसी भाषा में हुआ था। उन्होंने कहा, प्रशिक्षण शुरू करने से पहले हमें भाषा सीखनी थी और समय की कमी के कारण यह आसान नहीं था। इसलिए, हमें भाषा सीखने में लगभग दो महीने लगे।

भारत-सोवियत अंतरिक्ष मिशन एक ऐसे दौर में हुआ था जब बहुत कम लोगों के पास टेलीविजन हुआ करता था, वहीं एक्सिओम-4 मिशन की उड़ान को दुनिया भर के लोगों ने टीवी स्क्रीन और मोबाइल फोन पर लाइव देखा।

कई विलंब के बाद, अरबपति कारोबारी एलोन मस्क के स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर एक्सिओम मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों के लेकर फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से आईएसएस के लिए उड़ान भरी।

पॉडकास्ट में जब शर्मा से पूछा गया कि अंतरिक्ष से दुनिया और भारत को देखकर उन्हें कैसा महसूस हुआ, तो उन्होंने कहा, ओह डियर! बहुत सुंदर।

उन्होंने कहा, हमारे देश में हमें सब कुछ मिला है, हमें लंबी तटरेखा मिली है, हमें घाटों का क्षेत्र मिला है, हमें मैदान मिले हैं, हमें उष्णकटिबंधीय वन मिले हैं, हमें पहाड़ मिले हैं, हिमालय मिला है। यह एक खूबसूरत नजारा है, अलग-अलग रंग, अलग-अलग बनावट।

शर्मा ने कहा कि अंतरिक्ष में दिन और रात बहुत ही असामान्य होते हैं, क्योंकि सूर्योदय और सूर्यास्त केवल 45 मिनट के अंतराल पर होते हैं। उन्होंने कहा कि जबकि अंतरिक्ष यात्रा की तकनीक बदल गई है, लेकिन इंसान ज्यादा नहीं बदले हैं।

शर्मा ने कहा, अंतरिक्ष में जाने से सोच बदल जाती है। इंसान दुनिया को एक अलग तरीके से देखने लगते हैं। उन्हें समझ आता है कि ब्रह्मांड कितना बड़ा है।

भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शुक्ला एक ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर रवाना हुए हैं, जो राष्ट्र के गौरव को पृथ्वी से परे ले जाएंगे।

वायुसेना ने कहा, पृथ्वी से बाहर तिरंगा लहराने वाले स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के मिशन के 41 साल बाद यह भारत के लिए अद्भुत क्षण आया है। यह एक मिशन से कहीं बढ़कर है - यह भारत की निरंतर बढ़ती क्षमताओं की पुष्टि करता है।

भारतीय अंतरिक्ष यात्रा के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा, हम पृथ्वी ग्रह से और भी आगे जाएंगे।

उन्होंने रेखांकित किया, हमारे पास जो कुछ है, हमें उसे संरक्षित करने की आवश्यकता है,हमें आपसी झगड़े खत्म करने होंगे और हथियारों को भूल जाना होगाङ्घ यह ग्रह सभी का है, यह किसी एक के लिए संरक्षित नहीं है। शर्मा ने कहा कि अंतरिक्ष अन्वेषण आगे बढ़ता रहेगा।

उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत एक आधुनिक नेता होगा और अपने (अंतरिक्ष) मिशन में सफल होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि हम सफल होंगे।

शर्मा ने बताया कि मिशन से लौटने के बाद वह भारतीय वायु सेना में वापस चले गए।

उन्होंने कहा, कुछ वर्षों के बाद, मैं मुख्य परीक्षण पायलट के रूप में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड चला गया।

उन्होंने हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस के विकास के साथ अपने जुड़ाव को याद किया।

भारत ने एससीओ में आतंकवाद पर संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इंकार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ के नापाक इरादों को नाकाम करते हुए सदस्य देशों के आतंकवाद पर संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया।

एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की दो दिन की बैठक चीन के किंगदाओ में हो रही है। चीन की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर सदस्य देशों के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि चीन और पाकिस्तान संयुक्त वक्तव्य में जम्मू- कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख नहीं करना चाहते थे और इसके बजाय पाकिस्तान में जाफर ट्रेन हाइजैक के मामले को वक्तव्य में शामिल करने पर आमादा थे।

सूत्रों ने कहा कि भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जतायी और वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। इससे एससीओ की बैठक के संपन्न होने पर संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले श्री सिंह ने बैठक में सदस्य देशों के समक्ष आतंकवाद पर भारत का रूख स्पष्ट करते हुए दो टूक शब्दों में कहा था कि आतंकवाद का हर कृत्य आपराधिक तथा अनुचित है और संगठन को सामूहिक सुरक्षा के लिए इस खतरे को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट होना चाहिए।

श्री सिंह ने जोर देकर कहा, शांति और समृद्धि आतंकवाद और सरकार से इतर तत्वों के हाथों में सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के साथ सह-अस्तित्व में नहीं रह सकती। आतंकवाद के अपराधियों, समर्थकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता है।

उन्होंने पाकिस्तान और चीन की मौजूदगी में साफ शब्दों में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने आतंकवाद के खिलाफ बचाव और सीमा पार हमलों को रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के ठिकाने अब सुरक्षित नहीं हैं और भारत उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेगा।

श्री सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का उल्लेख करते हुए सदस्य देशों से सामूहिक सुरक्षा के लिए इस खतरे को समाप्त करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। रक्षा मंत्रियों, एससीओ महासचिव, एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी ढांचे (आरएटीएस) के निदेशक और अन्य प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं, बढ़ती कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद इन समस्याओं का मूल कारण हैं।

नीट परीक्षा में धांधली की व्यापक स्तर पर हो जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा-नीट में हो रही कथित धांधली को लेकर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया और कहा कि जिस एनटीए को इस परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह भ्रष्टाचारी एजेंसी बन गयी है और युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है।

कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की एनटीए ह्यराष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसीङ्घ बन चुकी है। नीट परीक्षा होती है तो भ्रष्टाचार से जुड़ी नई-नई चीजें सामने आती हैं। एनटीए जो भी परीक्षा कराती है, उसका डेटा लीक हो जाता है। एनटीए अविश्वनीय बन चुकी है और यह परीक्षा एजेंसी किसी भी परीक्षा को पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है इसलिए इसके अधिकारियों की

जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एनटीए के जरिए हो रही नीट परीक्षा के आयोजन में भ्रष्टाचार अत्यंत गंभीर तरीके से सामने आ रहा है। केन्द्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) ने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें कुछ लोग गिरफ्तार हुए हैं और इसमें गंभीर बात यह है कि प्राथमिकी में पैसा लेकर ओएमआर शीट बदलने की बात सामने आई है। नीट परीक्षा के माध्यम से बच्चे डॉक्टर बनते हैं जो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती है। इस प्राथमिकी के बाद एनटीए फिर शक के घेरे में है, लेकिन उसके खिलाफ अब तक कोई बड़ी जांच नहीं बिठाई गयी है। कांग्रेस की मांग है कि एनटीए की जांच हो और नीट परीक्षा पारदर्शिता तरीके से आयोजित कराई जानी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सीबीआई कह रही है कि इस मामले में एनटीए का कोई अधिकारी शामिल नहीं है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि फिर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज क्यों कराया गया है। इस मामले में तीन लोग फरार बताए जा रहे हैं तो दो लोगों को जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कहा कि यह संभव ही नहीं है कि परीक्षा में इतनी बड़ी गड़बड़ी हो और इसमें किसी अधिकारी की मिलीभगत नहीं हो।

उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, ह्लशिक्षा बजट को कम किया जा रहा है, एक भी परीक्षा सही से आयोजित नहीं की जा रही है, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों की हालत खराब है, नीट जैसी परीक्षाओं में धांधली की जा रही है। आखिर हम देश की स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को कहां पहुंचा रहे हैं। सीयूईटी पेपर का डेटा प्राइवेट कॉलेज के पास पहुंच रहा है। पेपर होने के बाद प्राइवेट कॉलेज अभिभावकों के पास एडमिशन के लिए कॉल करते हैं।

हिंदी भारतीय भाषाओं की सखी, विरोधी नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। गृहमंत्री अमित शाह ने हिंदी को भारतीय भाषाओं की सखी करार देते हुए कहा है कि देश की सभी भाषाओं को सशक्त बनाने की जरूरत है क्योंकि हमारी भाषाएं देश को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

श्री शाह ने गुरुवार को यहां राजभाषा विभाग के 'स्वर्ण जयंती समारोह' को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और हिंदी तथा भारतीय भाषाएं मिलकर ही हमारे आत्मगौरव के उत्थान के कार्यक्रम को अंतिम लक्ष्य तक ले जा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इसी वर्ष भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना की है और यह अनुभाग हर राज्य को इस काम के लिए सहायता करेगा कि राज्यों और भारत सरकार का प्रशासन भारतीय भाषाओं के आधार पर ही हो। देश में 12 भाषाओं में तकनीकी शिक्षा की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने हिंदी में मेडिकल

शिक्षा की शुरूआत की है, पूरा पाठ्यक्रम बनाया है औ? आने वाले दिनों में अन्य राज्य भी भी मेडिकल शिक्षा का पूरा पाठ्यक्रम अपनी भाषाओं में तैयार कर बच्चों को सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

श्री शाह ने कहा कि कोई भी देश अपनी भाषा के बिना अपनी संस्कृति, साहित्य, इतिहास और सामाजिक संस्कार को चिरंजीव नहीं रख सकता। अपनी संस्कृति के आधार पर आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए देश का शासन उसकी अपनी भाषाओं में होना चाहिए और इस महान उद्देश्य के साथ राजभाषा विभाग की शुरूआत हुई थी। राजभाषा की 50 वर्ष की यात्रा आज एक ऐसे मुकाम पर खड़ी है जब हमें इसे आगे ले जाने का प्रयास और पूरा रास्ता तय करना है। उनका कहना था कि राजभाषा विभाग की 50 साल की इस यात्रा को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा होती है। हमारी जड़ें, परंपराएं, इतिहास, पहचान और जीवन संस्कृति भाषा से कटकर आगे नहीं बढ़ सकते इसलिए भाषाओं को जीवंत रखना और समृद्ध करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें आने वाले दिनों में सभी भारतीय भाषाओं और विशेषकर राजभाषा के लिए ये सभी प्रयास करने चाहिएं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 11 साल में एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की शुरूआत की है और इसके तहत काशी-तमिल संगमम, काशी-तेलुगू संगमम, सौराष्ट्र-तमिल संगमम, शाश्वत मिथिला महोत्सव और भाषा संगम ने देश की एकता को मजबूत करने का एक बहुत अच्छा मंच प्रदान किया है। भाषा संगमम की पहल पर हर स्कूल में छात्रों को बोलचाल के 100 वाक्य संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त 22 भाषाओं में सिखाने का कार्यक्रम चलाया जा रहा है और यह पहल आने वाले दिनों में भारतीय भाषाओं की संजीवनी बन कर एक वट वृक्ष के रूप में आगे बढ़ेगी।

एक्सिओम-4 मिशन अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से सफलतापूर्वक जुड़ा, रच गया इतिहास

फ्लोरिडा, एजेंसी। एक्सिओम-4 मिशन का स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ गया और इसके साथ ही,भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रच दिया। वह आईएसएस में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गये।

भारतीय अंतरिक्ष आकांक्षाओं के लिए एक बड़ी छलांग लगाते हुए भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आज इतिहास में तब दर्ज हो गए जब ड्रैगन कैप्सूल आईएसएस पर हार्मनी मॉड्यूल से भारतीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे धीरे-धीरे जुड़ गया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इसकी पुष्टि की है।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला इस मिशन के पायलट हैं। इस मिशन ने कल फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। मिशन में ग्रुप कैप्टन शुक्ला के साथ पूर्व

नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन,पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू गये हैं।

इस बीच शुक्ला ने अंतरिक्ष से दिल को छू लेने वाला संदेश भेजा जिसने लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा,ह्लअंतरिक्ष से नमस्कार! जब मैं कैप्सूल में बैठा था तो मेरे दिमाग में बस यही विचार था कि ह्यचलो बस चलते हैंह्लङ्घ और फिर अचानक, कुछ नहीं-आप तैर रहे थे। पृथ्वी के ऊपर तैरते हुए मैं दृश्यों का आनंद ले रहा था, एक बच्चे की तरह सीख रहा था।ङ्घ

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर बारीकी से नजर रखने वाले वैज्ञानिक डॉ.आर सी कपूर ने कहा कि डॉकिंग एक नाजुक ऑपरेशन है जिसके लिए अत्यधिक सटीकता की आवश्यकता होती है। अंतरिक्ष यान 28,000 किमी/घंटा से अधिक की गति से कक्षा में प्रवेश करते हैं। इसके लिए सभी प्रणालियों में अधिक समन्वय रहना अनिवार्य है।

इस मिशन से भारत ने न केवल अपने अंतरिक्ष सपनों को फिर से जगाया है, बल्कि वाणिज्यिक और सहयोगी अंतरिक्ष शोध के नए युग में अपनी जगह भी बनाई है। एक्सिओम-4 टीम अब आईएसएस पर अपने शोध प्रयोगों और कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू करते हुए विज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने के अपने मिशन को जारी रखेगी ।

नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए समझौते के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। आज से 41 साल पहले भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर राकेश शर्मा ने वर्ष 1984 में सोवियत संघ के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। ग्रुप कैप्टन शुभांशु यह अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। इसके वर्ष 2027 में लॉन्च होने की संभावना है।

सिंधु जल संधि पर रोक पर भारत अडिग: पाटिल

नई दिल्ली, एजेंसी। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के भारत के रुख को दोहराते हुए आज कहा कि यह निर्णय हमारे राष्ट्रीय हितों को पूरा करता है और इसको लेकर जो फैसला भारत सरकार ने लिया है वो सही है। श्री पाटिल ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि पाकिस्तान के नेताओं की तरफ से जो धमकियां आ रही हैं वे निराधार हैं और उनसे कोई फर्क भारत को नहीं पड़ता है। उनका यह भी कहना था कि दोनों देशों के बीच तनाव अभी भी बना हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संधि के संबंध में जो भी निर्णय होगा वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार द्वारा ही लिया जाएगा। उन्होंने कहा, "संधि की स्थिति पर कोई अपडेट नहीं है। इस संबंध में लिया गया कोई भी निर्णय केवल देश के हित में ही होगा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की हालिया टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर श्री पाटिल ने कहा "पानी कहीं नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशा मुक्त दिल्ली व भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम हिस्सा लिया। उन्होंने इस मौके पर युवाओं को नशे से दूर रहने, समाज को जागरूक करने और नशा मुक्त दिल्ली व भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, विधायक ओम प्रकाश शर्मा, संजय गोयल एवं डॉ. अनिल गोयल मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार की एकता और समाज की बुनियाद को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। हमारा उद्देश्य है कि दिल्ली की युवाशक्ति अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और सकारात्मक परिवर्तन में लगाए, यही हमारी सरकार का मूल संकल्प है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया 'नशा मुक्त भारत' का संकल्प आज पूरे देश में जन-आंदोलन बन चुका है। इस अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाने में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सक्रिय मार्गदर्शन और सशक्त प्रशासनिक नेतृत्व अत्यंत प्रेरणादायक है। दिल्ली सरकार इस राष्ट्रीय उद्देश्य की पूर्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है। दिल्ली पुलिस द्वारा संचालित यह जन-जागरूकता अभियान सराहनीय है और दिल्ली सरकार इसमें कंधे से कंधा मिलाकर संकल्पबद्ध रूप से सहभागी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर एक नशा मुक्त, जागरूक और सशक्त दिल्ली के निर्माण में सहभागी बनें।

मोहर्रम त्यौहार को सकुशल सम्पन्न हेतु धर्मगुरूओं पुलिस अधीक्षक ने व अधिकारियों के साथ की समन्वय बैठक

जुगेश कुमार

उत्तर प्रदेशः पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार मे मोहर्रम त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के मकसद से धर्मगुरूओं व अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की गयी, बैठक में पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मोहर्रम पर्व पर शुद्ध पेयजल, जन स्वास्थ्य सुविधा, पार्किंग आदि की व्यवस्था के साथ ही बिजली आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में समुचित व्यवस्था करते हुए पूरी तैयारी कर लें, ताकि त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने में किसी प्रकार की समस्या न होने पायें, इसके लिए सभी तैयारियां ससमय पूर्ण कर ली जायें, समन्वय बैठक में सोनभद्र जिले के ताजियादार व धर्मगुरूजन मौजूद रहें और सभी लोगों ने मोहर्रम का पर्व पुरानी परम्परा के अनुसार मनाये जाने पर निर्णय लिया गया।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने आगामी दिनों में मोहर्रम त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के मकसद से मुस्लिम धर्मगुरूओं से वार्ता किया और त्यौहार को सकुशल मनाने के लिए आने वाले समस्याओं के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया, इस मौके पर धर्मगुरूओं द्वारा ताजिये के आने-जाने में समस्या, सड़क, नाली व अन्य बिन्दुओं पर अपने-अपने सुझाव जिला प्रशासन के समक्ष रखा गया, उन्होंने सम्बन्धित क्षेत्रों के धर्मगुरूओं द्वारा दिये गये सुझाओं को तत्काल अमल में लाते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किये। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में यह सुनिश्चित की जाये कि मोहर्रम जुलूस में निकलने वाले ताजिये व डी0जे0 की साइज निर्धारित ऊचाई से अधिक न हो, निर्धारित सीमा से अधिक ऊंचाई होने पर बिजली के खम्भे तार आदि में छू जाने की संभावना रहती है, जिस कारण से अनेकों प्रकार की घटनाएं हो जाती हैं, इसके लिए डी0जे0 संचालक मोहर्रम के ताजियादारों, कावर यात्रा के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें जानकारी उपलब्ध करा दी जाये, डी0जे0 निर्धारित साउण्ड से अधिक तेज में न बजाया जाये, अश्लील व फुहड़ गाने न बजाये जायें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अनावश्यक अफवाह या ट्वीट न किये जाये, आपत्ति जनक पोस्ट से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त होती है तो उसके सम्बन्ध में प्रशासन को सूचना उपलब्ध करायें।

सोशल मीडिया पर अनाधिकृत पोस्ट करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन त्रिभूवन नाथ त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी दुद्धी श्री निखिल यादव, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सम्बन्धित थानों के सी0ओ0 व धर्मगुरूगण सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

एक नजर

1जुलाई से आपकी रेल टिकट की कीमत कितनी होगी? यात्रीगण कृपया ध्यान दें

राजपूत रणजीत/गुजरातः रेल किराया बढ़ने वाला है। किराया बढ़ाकर रेलवे को 900 करोड़ रुपए ज्यादा मिलेंगे 1 जुलाई से आपकी ट्रेन टिकट कितनी महंगी होगी,और क्या बदलेगा? 8 सवालों के जवाब 1 जुलाई से आपकी रेल यात्रा और महंगी हो जाएगी। सरकार ने एसी क्लास, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास ट्रेनों के किराए में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर ली है। इस फैसले से हर साल करीब 900 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है...1 जुलाई से रेलवे कुछ क्लासों के लिए टिकट के दाम बढ़ा रही है, जिससे रेलवे को सालाना 990 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास में यात्रा करने वालों को अब अपनी यात्रा के लिए अधिक भुगतान करना होगा। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई से लागू होगी, और इससे रेलवे को अपने राजस्व को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस बढ़ोतरी के बारे में अधिक जानकारी के लिए, आप रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या अन्य विश्वसनीय स्रोतों पर जा सकते हैं।

गुजरात में इस साल सामान्य से अधिक होगी बारिश

दीवान फरुक्शा महबूबशा/गुजरातः इस साल की बहुत ही बेहतरीन खुशखबरी यह है कि गुजरात में इस साल सामान्य से बेहतर मॉनसून रहने की उम्मीद है। मॉनसून की शुरूआत भी धमाकेदार रही है। राज्य में पहले 10 दिनों में ही सीजन की 25 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। राज्य में हो रही मूसलाधार बारिश में महानगरों की प्रीमानसून योजनाएं भी धुलती नजर आ रही हैं। 23 और 24 जून को सूरत शहर की हालत खराब होने के बाद 25 जून को अहमदाबाद के पूर्वी इलाके के लोगों को जल-बम की स्थिति का सामना करना पड़ा। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके में शाम 7 बजे से 10 बजे के बीच 1 से 5 इंच बारिश हुई और वस्त्राल, मणिनगर, ओधव, निकोल समेत इलाकों में हालात गंभीर हो गए। कई जगहों पर निचले इलाके जलमग्न हो गए और लोगों के घरों और दुकानों में पानी घुस गया। राज्य में मौसम विभाग ने अगले 7 दिनों का पूवार्नुमान जारी किया है।

भारी बरसात और नगर निगम के लापरवाही के कारण लोगों को हो रही परेशानी

कुणाल विक्रमभाई मेर/गुजरातः आज सुबह मॉर्निंग से 3:00 लेकर कडोदरा विस्तार जोरो से बरसात हुआ,और उसके कारण नीचे विस्तरों में पानी भर गया पर वही पानी में लोगों ने नहा के आनंद उठाया. और सबसे बड़ी परेशानियां छोटे बड़े दुकानदारों को हुई। ऐसी बारिश के मौसम में. बेरोजगार लोगों को बड़ा सामना करना पड़ता है और यहां पर कहानी पानी जाने की व्यवस्था नहीं है जो भी नाला है वह सब बड़ी-बड़ी कंपनियों के कारण जाम हो चुके हैं के कारण आज सारी कंपनियां बंद रखी गई है और सारी स्कूल और कॉलेज का का ऐलान किया है कि वह बंद रहेगी और भी 30 तारीख तक बरसात गिरने का संभावना है और स्कूल के छोटे बच्चे भी बरसात का आनंद उठा रहे हैं स्कूल की छुट्टी का।

सहारनपुर व्यापार मंडल ने किया कमेटी का गठन तथा 51 व्यापारियों को किया मुख्य पदों पर मनोनीत

राकेश कुमार शर्मा/उत्तर प्रदेशः सहारनपुर महानगर अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने प्रांतीय उपाध्यक्ष जिलाध्यक्ष नरेश गोयल की संस्तुति पर नवनियुक्त महानगर कमेटी की घोषणा की। महानगर कमेटी में 51 व्यापारियों को मुख्य पदो पर मनोनीत किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रपाल गर्ग, डा0 पवन सिंघल, धन प्रकाश कश्यप, वैभव गुप्ता, शिवा गोयल, डॉ नवनीत सिंघल, राजपाल सैनी, दीपक जैन, रविंदर गर्ग, नीरज गुप्ता, गोरी शंकर, प्रदीप कंसल, प्रमोद पाल,महामंत्री डॉ के पी सिंह, अमित सिंघल,कोषाध्यक्ष सौरभ रोहिल्ला,उपाध्यक्ष,सिद्धार्थ,संजय (बल्ली),राजेश गुप्ता,अमित गुप्ता, मोहित सिंघल,मोहित गुप्ता,सचिन सिंघल,गीता राम ज्ञान,राजन चौहान,मंत्री अंकित गुप्ता, शिवचरण, सोएब हुसैन, शिवा सिंघल, राकेश गुजराल, मुकेश गोयल, सत्यपाल सिंह,मनोज भगत,मोहम्मद सलमान,आलम अंसारी संगठन मंत्री,आशु बोरा, सचिन रोहिल्ला, रईस अहमद, सागर, लोकेश, चतर सेन, सामंत कपूर, विशाल,आलम गीर,अनुकूल बंसल,राहुल कुमार, नौशाद अली,कानूनी सलाहकार संजीव गोयल, नलनीश गर्ग,मीडिया प्रभारी राहुल कुमार।

सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रांतीय उपाध्यक्ष जिलाध्यक्ष नरेश गोयल ,महानगर अध्यक्ष पंकज गुप्ता, प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश माहेश्वरी,प्रांतीय मंत्री संजय सैनी, बृजपाल सहगल,जिला महामंत्री सुनील राणा,सौरभ गर्ग,जिला कोषाध्यक्ष पवन सिंघल, युवा जिलाध्यक्ष भानु अग्रवाल,युवा प्रांत मंत्री/जिला महामंत्री एकांश अग्रवाल,युवा जिला कोषाध्यक्ष अर्णव अग्रवाल, युवा महानगर अध्यक्ष कन्हैया सिंगल, युवा जिला महामंत्री अर्जुन गुप्ता, युवा जिला कोषाध्यक्ष प्रिंस कश्यप,अक्षय गुप्ता बृजेश गोयल,वीरेंद्र मोगा, प्रवीण सिंगल,संदीप पिशोरी, मुकर्रम अली आदि पदाधिकारियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

100 से अधिक फर्जी आईडी और खाते से साइबर ठगी का नया मामला आया सामने

राजपूत रणजीत

गुजरातः गुजरात में 2050 करोड़ की साइबर ठगी में नया खुलासा आरोपी सूरत अहमदाबाद के व्यापारियों की 100 फर्जी आईडी पर अवैध रूप से व्यापार कर रहा था, मुनाफे का भ्रम देकर उनसे नकदी में निवेश करवा रहा था। साइबर ठगी की सामान्य जांच अब एक बड़े वित्तीय घोटाले की ओर बढ़ रही है, जिसमें उधना पुलिस ने मित खोखर नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार करके अवैध विदेशी मुद्रा व्यापार का भंडाफोड़ किया है।

मित के कार्यालय से 100 से अधिक फर्जी आईडी और खाते मिलने से पुलिस भी हैरान है। पता चला है कि ये आईडी ज्यादातर सूरत और अहमदाबाद के लोगों के नाम से खोली गई हैं, जिससे धोखाधड़ी का शिकार होने वाले लोगों की संख्या में काफी वृद्धि होने की संभावना है।

रथ यात्रा के दौरान व्यवस्था रहेगी चाक चौबंद

रथ के बगल में स्पेशल एक्शन फोर्स की टीम भी रहेगी तैनात

राजपूत रणजीत

गुजरातः रथ यात्रा पुलिस कमिश्नर द्वारा रिहर्सल हो गया, रथ के बगल में स्पेशल एक्शन फोर्स की टीम भी तैनात रहेगी हाँ, रथ यात्रा के लिए रिहर्सल हो गया है और पुलिस कमिश्नर ने सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की है। स्पेशल एक्शन फोर्स की टीम भी रथ के बगल में तैनात रहेगी। जगन्नाथ रथ यात्रा एक वार्षिक उत्सव है जो ओडिशा के पुरी में मनाया जाता है। यह उत्सव भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को समर्पित है। रथ यात्रा के दौरान, देवताओं को तीन विशाल रथों में मंदिर से गुंडिचा मंदिर तक ले जाया जाता है। इस वर्ष, रथ यात्रा 27 जून से शुरू हो रही है

रिहर्सल में, पुलिस कमिश्नर ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सुनिश्चित किया कि सब कुछ सुचारू रूप से चले। स्पेशल एक्शन फोर्स की टीम को रथ के साथ-साथ तैनात किया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पुरी में रथ यात्रा के अलावा अहमदाबाद और अन्य स्थानों पर भी रथ यात्रा मनाई जाती है। विकिपीडिया के अनुसार यह उत्सव भगवान कृष्ण के अपने मामा कंस के निमंत्रण पर मथुरा जाने की कथा से जुड़ा है। रथ यात्रा में, भगवान कृष्ण, बलराम और सुभद्रा रथ पर सवार होकर यात्रा करते हैं।भगवान जगन्नाथजी को पहली बार पहिंद समारोह से पहले दिया जाएगा गार्ड ऑफ ऑनर; पुलिस कमिश्नर ने की रिहर्सल, रथ के बगल में स्पेशल एक्शन फोर्स की टीम भी रहेगी तैनात।

भगवान जगन्नाथ की 148वीं रथ यात्रा कल 27 जून को शुरू होने वाली है, जब इतिहास में पहली बार हर साल शुरू होने वाली रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। कल सुबह पाहिंद समारोह से पहले गुजरात पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा।

महर्षि जमदग्नि के मंदिर निर्माण को लेकर नगर पालिका के अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता से मिला ब्राह्मण रक्षा दल

विकाश कुमार

उत्तर प्रदेशः जमानिया महर्षि जमदग्नि ऋषि की तपोस्थली जमानिया में महर्षि जमदग्नि के नाम से भव्य मंदिर का निर्माण करने हेतु ब्राह्मण रक्षा दल के संरक्षक जमानियाँ के पूर्व भाजपा प्रत्याशी बालकृष्ण त्रिवेदी के निर्देश पर ब्राह्मण रक्षा दल का प्रतिनिधि मंडल जमानिया नगर पालिका के अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता से मिला और महर्षि जमदग्नि ऋषि के मंदिर के भव्य निर्माण के लिए अनुरोध किया,जिस पर जयप्रकाश गुप्ता ने आश्वासन दिया कि वह इस नेक कार्य के लिए अपने नगर पालिका क्षेत्र में जमीन मुहैया कराएंगे और त्वरित ही जमीन का अवलोकन

भी करा दिया।

इन्होंने कहा कि महर्षि जमदग्नि जी से ही जमानिया सहित पुरे गाजीपुर की पहचान हैं और इस पहचान के बारे में आने वाली पीढ़ी को बताने के लिए इस तरह का छोटा सहयोग कर हम स्वयं को धन्य महसूस करेगें। ज्ञात हो की महर्षि,भगवान विष्णु के छठ्ठे अवतार भगवान परशुराम जी के पिता हैं जमानिया जिनकी तपोस्थली रही है मंदिर निर्माण होने से गाजीपुर में बाहरी लोगो का भी आवागमन बढ़ेगा और पर्यटन के दृष्टिकोण से भी यह स्थल राजकोष मे बृद्धि करेगा।

भगवान परशुराम जी का मंदिर भी नगर क्षेत्र के मोहल्ला हरपुर में है जो गंगा तट से सटा हुआ है जो हिंदुओं के आस्था का केंद्र है। इस आश्वासन के लिए ब्राह्मण रक्षा दल के संयोजक प्रेम शंकर मिश्र ने अध्यक्ष का आभार प्रकट किया प्रतिनिधि मंडल में गोपीनाथ हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के संरक्षक राकेश तिवारी डॉक्टर पियूष कांत दुबे चमचम चौबे, हरिशंकर तिवारी महाविद्यालय के प्रवंधक प्रभाशंकर तिवारी आदि लोग मौजूद थे।

प्राथमिक कुमार एवं बालिका विद्यालय में विद्यालय प्रवेश एवं बालिका पालन कार्यक्रम हुआ संपन्न

राजपूत रणजीत

गुजरातः आज दिनांक 26.06.25 को रेलवे पूर्वी कलोल स्थित शासकीय प्राथमिक कुमार एवं बालिका विद्यालय में विद्यालय प्रवेश एवं बालिका पालन कार्यक्रम संपन्न हुआ।अम्बेडकर युवा क्लब ने दानदाताओं के सहयोग से कन्या और कुमार स्कूल में 4000 चोप्स और 1000 नोटबुक वितरित की। दानदाताओं के सहयोग से कुल 20 पंखे भी लगाए गए।

इस प्रवेश उत्सव के दौरान विद्यालय परिवार द्वारा अंबेडकर युवा क्लब के सेवा कार्य का वितरण किया गया तथा विद्यालय द्वारा अंबेडकर युवा क्लब के उपस्थित सदस्य विपुल रोहित, चिराग सोलंकी, केतन परमार, चिराग चतराला,जय पटेल, मनुभाई वनिया साहब को पुस्तक व प्रमाण पत्र के माध्यम से सम्मानित किया गया।

रजोनिवृत्ति के दौरान ये होने वाली समस्याएं, लक्षण एवं उपाय

राजपूत रणजीत

गुजरातः क्या आपको भी रजोनिवृत्ति के दौरान ये समस्याएं होती हैं?हाँ, रजोनिवृत्ति के दौरान महिलाओं को कई तरह की शारीरिक और भावनात्मक समस्याएं हो सकती हैं।

कुछ सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:

हॉट फ्लैशेस (गर्मी लगना), रात को पसीना आना, नींद की समस्या, योनि में सूखापन, मूड में बदलाव, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, और सेक्स की इच्छा में कमी. इसके अलावा, कुछ महिलाओं को अवसाद, चिंता, और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं।

रजोनिवृत्ति के दौरान होने वाली सामान्य समस्याएं:

हॉट फ्लैशेस और रात को पसीना आनाः ये रजोनिवृत्ति के सबसे आम लक्षण हैं, जिनमें अचानक गर्मी लगना और रात को पसीना आना शामिल है।

नींद की समस्याः रजोनिवृत्ति के दौरान, महिलाओं को सोने में कठिनाई हो सकती है या रात में बार-बार जागना पड़ सकता है।

योनि में सूखापनः एस्ट्रोजन के स्तर में कमी के कारण योनि में सूखापन हो सकता है, जिससे संभोग के दौरान दर्द हो सकता है।

मूड में बदलावः रजोनिवृत्ति के दौरान

हार्मोनल उतार-चढ़ाव के कारण महिलाओं को चिड़चिड़ापन, चिंता, या अवसाद का अनुभव हो सकता है।

जोड़ों और मांसपेशियों में दर्दः कुछ महिलाओं को रजोनिवृत्ति के दौरान जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द का अनुभव हो सकता है।

सेक्स की इच्छा में कमीः रजोनिवृत्ति के दौरान, कुछ महिलाओं को सेक्स की इच्छा में कमी का अनुभव हो सकता है।

अन्य संभावित समस्याएंः हड्डियों का कमजोर होना (ऑस्टियोपोरोसिस):

एस्ट्रोजन के स्तर में कमी के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, जिससे फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है।

हृदय रोगः रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है.

मूत्र मार्ग में संक्रमण (UTIs): रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं को UTIs होने का खतरा बढ़ जाता है।

वजन बढ़नाः रजोनिवृत्ति के दौरान, कुछ महिलाओं को वजन बढ़ने का अनुभव हो सकता है।

यदि आप रजोनिवृत्ति के लक्षणों का अनुभव कर रही हैं, तो अपने डॉक्टर से बात करना महत्वपूर्ण है। डॉक्टर आपको उचित सलाह दे सकते हैं और लक्षणों को प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं.यूटीआई से किडनी को भी होता है खतरा, डॉक्टर से जानें राहत पाने के लिए क्या करेंक्या आपको भी मेनोपॉज के दौरान होती हैं ये परेशानियां?: यूटीआई से किडनी को भी होता है खतरा, डॉक्टर से जानें राहत पाने के लिए क्या करें

यदि किसी महिला को रजोनिवृत्ति (मासिक धर्म का स्वाभाविक और स्थायी रूप से बंद होना) के दौरान बार-बार मूत्र पथ के संक्रमण (यूटीआई) का अनुभव हो रहा है, जिसे 6 महीने में दो बार या एक वर्ष में 3 से अधिक बार संक्रमण हुआ है, तो उसे तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए...रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) के दौरान महिलाओं को बार-बार मूत्र पथ संक्रमण (यूटीआई) होने का खतरा बढ़ जाता है, जो किडनी के लिए भी खतरनाक हो सकता है।

मेनोपॉज और यूटीआई के बीच संबंधः मेनोपॉज के दौरान, शरीर में एस्ट्रोजन का स्तर कम हो जाता है, जिससे योनि और मूत्रमार्ग के ऊतकों में बदलाव होते हैं।

एस्ट्रोजन की कमी के कारण, ये ऊतक पतले, सूखे और कम लोचदार हो जाते हैं, जिससे बैक्टीरिया के लिए संक्रमण करना आसान हो जाता है। यह स्थिति यूटीआई के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाती है, जो किडनी में भी फैल सकती है।

यूटीआई से बचने के उपायः

हाइड्रेटेड रहेंः खूब पानी पिएं ताकि बैक्टीरिया को पेशाब के जरिए बाहर निकाला जा सके।

बार-बार पेशाब करेंः जब भी पेशाब करने की इच्छा हो, तुरंत बाथरूम जाएं और मूत्राशय को पूरी तरह से खाली करें।

निजी अंगों की सफाईः पेशाब करने के बाद और संभोग के बाद निजी अंगों को साफ करें।

क्रैनबेरी जूसः कुछ महिलाओं को क्रैनबेरी जूस या सप्लीमेंट लेने से यूटीआई को रोकने में मदद मिलती है।

पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइजः केगल व्यायाम (पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज) से मूत्राशय और मूत्रमार्ग को सहारा देने वाली मांसपेशियों को मजबूत किया जा सकता है, जिससे यूटीआई का खतरा कम होता है।

डॉक्टर से सलाहः यदि आपको बार-बार यूटीआई हो रहा है, तो डॉक्टर से संपर्क करें और योनि एस्ट्रोजन थेरेपी या अन्य उपचार विकल्पों पर विचार करें।

डॉक्टर से कब संपर्क करेंः यदि आपको पेशाब करने में जलन या दर्द हो रहा है

यदि आपको बार-बार पेशाब करने की इच्छा हो रही है, लेकिन पेशाब कम आ रहा है।

यदि आपको पेशाब में खून दिखाई दे।

यदि आपको बुखार, ठंड लगना या पीठ दर्द जैसे लक्षण हैं, जो किडनी संक्रमण का संकेत हो सकते हैं।

अन्य सुझावः सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करने से बचें.

संक्रमित होने पर, डॉक्टर द्वारा निर्धारित एंटीबायोटिक दवाओं का पूरा कोर्स लें।

अपने डॉक्टर से मेनोपॉज के दौरान यूटीआई के बारे में बात करें और रोकथाम के तरीकों पर चर्चा करें।

सोनभद्र से नव्या की ऐतिहासिक शुरूआत, बेटियों को मिलेगा आत्मबल और नई पहचान

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः 24 जून 2025, सोनभद्र उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जनपद सोनभद्र से पहल 'नव्या' का भव्य शुभारंभ हुआ। यह दिन केवल एक परियोजना की शुरूआत नहीं, बल्कि देश की बेटियों को सशक्त,आत्मनिर्भर और जागरूक नागरिक के रूप में गढ़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक और मजबूत कदम है। 'नव्या' किशोरियों को न केवल व्यावसायिक प्रशिक्षण देगी, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान, अवसर और सामाजिक भागीदारी की नई ऊँचाइयों तक पहुँचने का मंच भी प्रदान करेगी। 'नव्या' एक परिवर्तनकारी पहल है, जिसे कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया है। इस योजना का उद्देश्य किशोरियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाना है।

यह कार्यक्रम विशेष रूप से देश के 19 राज्यों के 27 आकांक्षी जिलों में लागू किया जाएगा, ताकि सीमांत क्षेत्रों की बेटियों तक भी समान अवसर पहुंच सकें और वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।वर्तमान में यह योजना 9 राज्यों - महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, पंजाब, उत्तर

प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और हिमाचल प्रदेश में पायलट परियोजना के रूप में क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना के तहत बेटियों को पीएमकेवीवाई 4.0 के अन्तर्गत गैर-परंपरागत और आधुनिक जॉब रोल्स, जैसे ग्राफिक डिजाइनर, स्मार्टफोन तकनीशियन, ड्रोन असेंबली एक्सपर्ट, इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन,और प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्टमें प्रशिक्षित किया जाएगा।

इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर उन्हें पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकलकर रोजगार और उद्यमिता के नए अवसरों से जोड़ना भारत सरकार का लक्ष्य है। इससे बेटियाँ न केवल हुनरमंद बनेंगी, बल्कि आत्मविश्वास के साथ जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकेंगी। 'नव्या' के अंतर्गत किशोरियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया 7 घंटे का एक अतिरिक्तप्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है, जो चार प्रमुख मॉड्यूल पर आधारित है पारस्परिक कौशल (स्वच्छता, आत्म-प्रस्तुति, संघर्ष-प्रबंधन), संचार कौशल (सक्रिय सुनना और प्रभावी संवाद), कार्यस्थल सुरक्षा (पी0ओ0एस0एच0 और पी0ओ0सी0एस0ओ0 कानूनों की जानकारी), और वित्तीय साक्षरता (कमाई और खर्च का संतुलन व बुनियादी वित्तीय समझ)। यह प्रशिक्षण न केवल आजीविका के लिए, बल्कि समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए भी एक ठोस आधार देगा।

'नव्या' योजना के शुभारंभ के अवसर पर कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयंत चैधरी ने कहा कि ह्लकिशोरियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए ष्नव्याष की शुरूआत की गई है। यह प्रशिक्षण केवल रोजगार तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि हमारा प्रयास होगा कि ये बेटियाँ छोटे-छोटे व्यापार और स्वयं के उद्यम स्थापित करने में भी सक्षम बन सकें। इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम की शुरूआत आज उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से हो रही है जो न केवल अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता है, बल्कि एक महत्वपूर्ण जनजातीय और आकांक्षी जिला भी है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की माननीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने 'नव्या' के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि 'नव्या' कार्यक्रम किशोरियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह हमारी साझा प्रतिबद्धता है कि हम किशोरियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी और सशक्त नागरिक बनने के योग्य बनाएं।

यह पहल उन्हें न केवल हुनर प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और सम्मानजनक जीवन की ओर भी अग्रसर करेगी। उल्लेखनीय है कि ह्यनव्याह्न के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु डिस्ट्रिक्ट स्किल कमेटियों को सशक्त किया जा रहा है ताकि किशोरियों को स्थानीय कौशल योजनाओं, रोजगार मेलों, और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ा जा सके। यह पहल न सिर्फ स्किलिंग का माध्यम है, बल्कि एक सामाजिक जागरूकता और सशक्तिकरण अभियान भी है, जो देश की बेटियों को आत्मबल और नई पहचान देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। नव्या के शुभारम्भ के इस ऐतिहासिक अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की माननीया राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को कई विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने और भी विशेष बना दिया। माननीय श्री छोटेलाल सिंह खरवार, सांसद (लोकसभा) एवं माननीय श्री भूपेश चैबे, विधायक (रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र) ने समारोह को संबोधित करते हुए जनजातीय समाज के सतत विकास में ऐसे प्रयासों की महत्ता पर प्रकाश डाला।

एक नजर

विधायक नारायण पटेल जी के अथक प्रयासों से अस्पताल को एंबुलेंस समर्पित किया गया

राधेश्याम गुर्जर/मध्य प्रदेशः माननीय विधायक महोदय नारायण पटेल जी के अथक प्रयासों से एन.एच.डी.सी. नर्मदा नगर द्वारा सीएसआर मद से प्रदाय नवीन एम्बुलेंस के लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक जी से साथ शामिल हुए,एवं जनता के लिए अस्पताल को एंबुलेंस समर्पित की। विधायक जी का बहुत बहुत धन्यवाद

एंबुलेंस से मरीजों को आपातकालीन स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता मिल सकेगी और उन्हें अस्पताल ले जाने में आसानी होगी। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष ज्योतिबाला चंद्रमोहन राठौर,उपाध्यक्ष श्री राजनारायण मंडलोई, स्वास्थ विभाग सभापति जागृति मालवीय पार्षद सखाराम निमोले बनारसी बाई दिनेश धुर्वे,खुशहाली बाई राजेंद्र डोडे, हीरालाल निहाल,पार्षद प्रतिनिधि दिनेश धुर्वे दिनेश मालवीय,दिनेश चौधरी,संतोष राठौर,मंडल अध्यक्ष अशोक पटेल, पार्षद एवं मंडल महामंत्री धर्मेंद्र राठौर, प्रीतम मंडलोई, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती इंदु दुबे,प्रीति सोनी,उषा शर्मा, अनीता श्रीवास्तव, कावेरी मंडल अध्यक्ष महेंद्र पवार, छगनलाल जैन, सुरेंद्र खड़ायते, सुरेंद्र टुटेजा,शिवराज सिंह चौहान,अयूब मंसूरी, दीपक सोनी,ईश्वर राठौर,अनिल (छोटू)राठौर, राजेंद्र सोलंकी, भवानी नामदेव,सदन मराठे,दीपक कुमुद,बीएमओ अंकित मंडलोई,सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग मूंदी के अधिकारी कर्मचारीगण, एनएचडीसी के अधिकारी अंसारी जी ,आशा कार्यकर्ता सहित नागरिकगण उपस्थित रहे। इसके बाद नगर परिषद अध्यक्ष ज्योतिबाला चंद्रमोहन राठौर ने परिषद पदाधिकारियों के साथ अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों का हाल जाना।

कडाणा में 650 मिलियन वर्ष पहले जल भंवर से निर्मित पत्थर देखा गया

भावेशकुमार वासुदेव भट्ट

गुजरातः भूवैज्ञानिक टीम ने कडाणा स्थल पर जल भंवर से निर्मित तलछटी चट्टान देखी यह दुनिया के चार भूवैज्ञानिक आश्चर्यों में से एक है 1967 में खोजे जाने के बाद बांध के पास वाले हिस्से पर किसी ने ध्यान नहीं दिया महिसागर जिले में कडाणा बांध के पास भंवर वाला किनारा भारत के चार भूवैज्ञानिक आश्चर्यों में से एक है, जो कडाणा बांध स्थल पर आज भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यह किनारा कडाना बांध से 600 मीटर नीचे महिसागर नदी के बाएं किनारे पर स्थित है। ऐसे पत्थरों को दुनिया में दुर्लभ माना जाता है, यही वजह है कि इसे अजूबों में जगह मिली है। जब पूरी दुनिया का नक्शा अलग था। ऐसा माना जाता है कि इन पत्थरों का निर्माण तब हुआ था, जब भारत दक्षिणी गोलार्ध में था और अफ्रीका से जुड़ा हुआ था। 1963 में जब पंचमहाल के वर्तमान महिसागर जिले के कडाना गांव के पास कडाणा बांध की तरफ का निर्माण कार्य चल रहा था, तब बांध निर्माण के लिए खदान बनाई गई थी। इस तक पहुंचने के लिए एक पहुंच मार्ग भी बनाया गया था। उस समय उन्होंने एक शोध पत्र लिखा और यह शोध पत्र उस समय की पत्रिका में प्रकाशित होने के बाद पूरी दुनिया ने इस पर ध्यान दिया।

जलमग्न हुई पाटन की सड़कें, जल भराव से ठप्प पड़ा शहर

दीवान फरुक्शा महबूबशा

गुजरातः गुजरात राज्य के पाटन जिले में 2 घंटे में पोने 2 इंच बारिश हुई। बिजली गिरने की वजह से एक आदमी और दो भैंस की मौत हुई, और अन्य शहर निवासी जगह-जगह पर पानी भरने की वजह से कई समस्या का सामना करना पड़ रहा है ।

तारीख 26/06/2025 गुरुवार सुबह से मेघराजा ने पाटण शहर और सूबा समेत जिले में भारी असर दिखाया। पाटण, सिद्धपुर, चाणस्मा और सरस्वती तालुका में गरज-चमक के साथ शुरू हुई धीमी बारिश के बाद कुछ ही देर में तेज बारिश शुरू हो गई। पाटण शहर में सुबह 8 से 10 बजे के बीच हुई ढाई इंच बारिश से पूरे शहर में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे जन-जीवन प्रभावित हुआ।

शहर में जल संकट और यातायात पर प्रभाव

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार गुरुवार सुबह से ही पाटन जिले में बारिश का मौसम रहा। पाटन शहर में लगातार दो घंटे तक हुई बारिश के कारण शहर के विभिन्न इलाके जलमग्न हो गए। शहर निवासियों को कई मुसीबत का सामना करना पड़ा।

भारत विकास परिषद पलवल ने नागरिक अस्पताल पलवल में चल रही अन्नपूर्णा रसोई का नौवां जन्मदिन यज्ञ करके मनाया

कपूर शर्मा

हरियाणाः सिविल अस्पताल पलवल में निशुल्क चल रही रसोई का नौवां जन्मदिन मनाया गया जिसमें यज्ञ में जोगिंदर डागर व पुनीत भारद्वाज यजमान थे। इस मौके पर डॉ हरीश वशिष्ठ जिला उपायुक्त पलवल ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की व विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक दीपक मंगला जी थे। अध्यक्षता सतीश कौशिक बी के स्कूल पलवल प्रांतीय संयोजक संस्कार भारत विकाश परिषद ने की।

यह रसोई 19 जून 2017 में कृष्ण पाल जी गुर्जर राज्य मंत्री भारत सरकार एवं दीपक मंगला जी के कर कमलो से प्रारंभ हुई। कोरोना काल में यह रसोई अपनी सेवा अविरल देती रही। सीएमओ पलवल ने रसोई की गुणवत्ता व सहयोग के लिए भारत विकास परिषद की पूरी-पूरी प्रशंसा की। जिला उपयुक्त ने कहा कि इससे

ज्यादा और बड़ा सेवा का कार्य हो नहीं सकता कि ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए रोगियों को अस्पताल परिसर में ही शुद्ध में सात्विक भोजन मिले। ज्ञातव्य हैं कि भारत विकास परिषद पलवल शहर में एक फिजियोथैरेपी सेंटर होम्योपैथिक क्लिनिक व पंचवटी मंदिर में साप्ताहिक औषधालय एवं एक शववाहन का संचालन कर रहा है इसके साथ ही परिषद विभिन्न स्कूलों में जाकर के संस्कार के अनेक कार्य करते हैं।

इस अवसर पर अनिल मोहन मंगल पूर्व क्षेत्रीय सचिव वरिष्ठ समाजसेवी, पूनम बंसल, पूर्व अध्यक्ष स्वतंत्र गोयल, भूषण गोयल, डॉ अनूप सिंह यशपाल गुप्ता, माधव शाखा के अध्यक्ष, बृजमोहन तायल सचिव, राजन गुप्ता और पलवल शाखा के अध्यक्ष रवि दत्त भारद्वाज राहुल गर्ग राजेंद्र बंसल रमेश जी शर्मा, गोविंद तायल जिला समन्वयक भगवत स्वरूप सिंगला, हरिओम तायल , गौरव गोयल, श्रीमती प्रतिभा सिंगला, अल्पना मित्तल शशि मंगल, मनीषा मंगलऔर रसोई के संयोजक हेमचंद मंगल एवं अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सहारनपुर चकसराय भारती क्षेत्र में 60 लाख रुपये से होगा नालों का निर्माण

महापौर डॉ. अजय कुमार ने नारियल फोड़कर किया नाला निर्माण का शुभारंभ

घनश्याम

उत्तर प्रदेशः अजय कुमार ने वार्ड-27 के चकसराय भारती क्षेत्र में नारियल फोड़कर दो नालों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नगर निगम निधि से बनने वाले दोनों नालों के निर्माण पर करीब 60 लाख रुपये की लागत आयेगी। वार्ड 27 में चकसराय भारती क्षेत्र के लोग पिछले काफी समय से जल निकासी के लिए नालों के निर्माण की मांग करते आ रहे थे। उक्त दीर्घकालिक समस्या के समाधान के लिए नगर निगम ने सर्वे कराने के बाद दो नालों के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया था। महापौर डॉ. अजय कुमार ने विधि

विधान के साथ पूजा अर्चना कर नारियल फोड़कर नाला निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि 60 लाख रुपये की लागत से बनने वाले दोनों नालों के निर्माण से दीर्घकालिक समस्या से राहत मिलेगी तथा स्वच्छ, सुव्यवस्थित और विकसित नगर की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पिछले कुछ सालों में जितनी तेजी से शहर में नालों का निर्माण नगर निगम द्वारा कराया गया है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। इससे शहर में जलभराव की समस्या में काफी कमी आयी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनुकंपा से सहारनपुर विकास के रथ पर सवार हो चुका है, और अब उसे उन्नतशील महानगर बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस दौरान पूर्व विधायक जगपाल सिंह, स्थानीय पार्षद वीर सेन सिद्धू व पार्षद मयंक गर्ग सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

देवास जिले के एक छोटे से गांव जीवाजी गढ़ के गौ क्रांतिकारी श्याम जी महाराज महामंडलेश्वर बने

ईश्वर सिंह चावड़ा

मध्य प्रदेशः महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय सप्तऋषि अखाड़े संत समागम व पट्टाभिषेक कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें जगद्गुरु सहित कई प्रदेशों से महामंडलेश्वर संत महंत पधारे जहां पर पट्टाभिषेक कार्यक्रम के दौरान जगद्गुरु गुरु अनंत विभूषित जगद्गुरु श्री रामानुजाचार्य स्वामी योगेश्वराचार्य जी महाराज सप्तऋषि पीठाधीश्वर जगद्गुरु ऋषिवर श्री सच्चिदानंद बालप्रभु जी महाराज अंतर्राष्ट्रीय सप्तऋषि अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीश्री 1008 श्री स्वामी हर मनोज दास जी महाराज के द्वारा श्याम जी महाराज को अंतर्राष्ट्रीय सप्तऋषि अखाड़ा से श्रीश्री 1008 श्री महामंडलेश्वर की उपाधि से

विभूषित किया गया था। अखाड़े ने श्याम जी महाराज का नामकरण संस्कार भी किया गया अब श्याम जी महाराज श्रीश्री 1008 श्री महामंडलेश्वर ऋषिवर श्यामानंद जी महाराज के नाम से जाने जाएंगे साथ ही शाजापुर के ग्राम मखावद् के निवासी पंडित रामकृष्ण उपाध्याय जी को भी महामंडलेश्वर की उपाधि से विभूषित किया। सोनकच्छ के ग्राम भलाई कलां के श्री बालाजी महाराज मंदिर पूजारी बाबू लाल जी शर्मा को श्रीश्री 108 श्री मंडलेश्वर की उपाधि से विभूषित किया ओर साथ ही बाबू लाल जी का नामकरण संस्कार भी बनाएं गए और जगद्गुरु व कई प्रदेशों से पधारे महामंडलेश्वर मंडलेश्वर संत महंत ने बधाई प्रेरित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की ओर साथ ही सनातन धर्म हिन्दू राष्ट्र गौ सेवार्थ भारत को नशामुक्त बनने व जनकल्याणार्थ हेतु संकल्प लिया और सभी संतों ने एक दूसरे को बधाईयां दी और महाकाल दर्शन करने पहुंचे।

गोरखपुर में माता प्रसाद पांडेय पर हमला, योगी के क्षेत्र में सत्ता संरक्षित गुंडागर्दी

सौरभ/उत्तर प्रदेशः गोरखपुर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर गोरखपुर में हुए हमले ने योगी सरकार की कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है। यह घटना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह क्षेत्र में हुई, जो सत्ता के दुरुपयोग और लापरवाही को उजागर करती है।

क्या हुआ था?

माता प्रसाद पांडेय गोरखपुर में विरासत गलियारा और सड़क चौड़ीकरण के लिए जमीन अधिग्रहण से प्रभावित व्यापारियों से मिलने गए थे। नर्मल चौराहा पर भाजपा कार्यकताओं ने उनके काफिले को रोका, नारे लगाए और कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें वाहनों को नुकसान पहुंचा। पांडेय ने आरोप लगाया कि व्यापारियों को उचित मुआवजा नहीं मिल रहा, और उनकी आवाज सुनने गए नेताओं पर सत्ता के इशारे पर हमला हुआ। जवाब में उन्होंने सड़क पर धरना दिया।

सत्ता की उदासीनता

गोरखपुर, योगी का गढ़ होने के बावजूद, इस घटना ने सरकार की नाकामी को सामने ला दिया। माता प्रसाद पांडेय जैसे वरिष्ठ नेता पर हमला और सरकार की चुप्पी से जनता में गुस्सा है। समाजवादी पार्टी ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया और दोषियों पर तुरंत कार्रवाई की मांग की।

जनता का सवाल

यह घटना गोरखपुर में सत्ता संरक्षित गुंडागर्दी का सबूत है। माता प्रसाद पांडेय ने व्यापारियों की आवाज उठाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें जवाब में हिंसा मिली। क्या योगी सरकार इस मामले में कार्रवाई करेगी, या यह भी अन्य घटनाओं की तरह दब जाएगी?

समाजवादियों ने वीरांगना दुर्गावती के बलिदान दिवस पर किया नमन

वेदप्रकाश लिटौरिया

उत्तर प्रदेशः ललितपुर वीरांगना महारानी दुर्गावती जी का बलिदान समाजवादी पार्टी कार्यालय में मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव ने की। सपा कार्यकताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धसुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। वहीं वक्ताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

इस दौरान जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव ने वीरांगना महारानी दुर्गावती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए हमारे देश की वो वीरांगना हैं, जिन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए मुगलों से युद्व कर वीरगति को प्राप्त प्राप्त किया। वह

बहुत ही बहादुर एवं साहसी महिला थीं। इनका जन्म चंदेल राजवंश के कालिंजर किले में जो कि वर्तमान में बांदा उत्तर प्रदेश में स्थित है। भारत भूमि पर जन्म लेने वाली रानी दुर्गावती के साहस एवं वीरता की भी अनेक गाथाएं पड़ी हुयीं हैं। महारानी वीरांगना दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने हाथों अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमें उनके बलिदान से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

इस दौरान जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव, जिला उपाध्यक्ष अनवर खान, उपाध्यक्ष भजन लाल कुशवाहा, जिला सचिव नीलू रजक, युवजन सभा जिलाध्यक्ष अरशद मंसूरी, मीडिया प्रभारी राममूर्ति तिवारी, नगर उपाध्यक्ष राजेश झा, जितेंद्र जोशी, ओम प्रकाश कुशवाहा, लक्ष्मन कुशवाहा, जिला प्रवक्ता प्रमोद इमिलिया सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

युद्ध हुआ ही क्यों?

अब यह यक्ष-प्रश्न सामने है कि इजरायल-ईरान युद्ध क्यों हुआ था? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान की खामेनेई हुकूमत बदलना चाहते थे, लगातार हुंकारें भी भर रहे थे, लेकिन युद्धविराम कराते हुए और उसके बाद उनका कहना है कि सत्ता-परिवर्तन से अराजकता फैलती है, लिहाजा यह फैसला हम ईरानी अवाम पर छोड़ते हैं। क्या इस असमंजस के कारण ही युद्ध कराया गया था? अमरीका और इजरायल दोनों ही ईरान की परमाणु क्षमता नष्ट करना चाहते थे, ताकि ईरान परमाणु बम न बना सके। ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को लेकर कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। ईरान ने खुद को आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) से अलग कर लिया है। अब न तो किसी निगरानी कैमरों, न नियमित रपट और न ही परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की अनुमति ईरान आईएईए को देगा। युद्धविराम के बाद भी ईरान की तरफ से बयान दिए गए हैं कि उनका परमाणु कार्यक्रम जारी रहेगा। युद्ध में ईरान का सबसे अहम और संवेदनशील नुकसान यह हुआ है कि इजरायल की सेना ने उसके 17 परमाणु वैज्ञानिक मार दिए हैं। यह क्षतिपूर्ति बेहद मुश्किल है। सवाल है कि ईरान का लेशमात्र परमाणु कार्यक्रम अस्तित्व में है, तो अमरीका और इजरायल ने अपने लक्ष्य हासिल कैसे किए? यदि लक्ष्य अधूरे रह गए, तो फिर युद्ध क्यों लड़ा गया था? इजरायल को युद्ध के कारण 1200 करोड़ डॉलर का घाटा उठाना पड़ा। करीब 60, 000 छोटी-बड़ी कंपनियां इजरायल छोड़ कर चली गईं। उसे 1.9 अरब डॉलर का औद्योगिक नुकसान हुआ और 4.2 अरब डॉलर का बुनियादी ढांचा खंडहर हो गया। ईरान ने उसके तेल अवीव के सैन्य अड्डों, एयरबेस और दर्जनों इमारतों को तबाह कर दिया। ईरान को युद्ध के कारण 150-200 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। उसके 800-900 लोग मारे गए, जिनमें सेना के शीर्ष कमांडर भी शामिल थे। बेशक अमरीकी हमले में परमाणु ठिकानों में हजारों सेंट्रीफ्यूज नष्ट हो गए और सुरंगें 'मिट्टी-मलबा' हो गईं। ईरान की जीडीपी पर करीब 9.6 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान सामने आया है।

क्या इस आर्थिक तबाही के लिए ही युद्ध लड़ा गया था? युद्धविराम के बाद मध्य-पूर्व की शांति और स्थिरता बेहद जरूरी है। गाजा में अब भी घेराबंदी, हमले और हत्याएं हैं। करीब 60, 000 मौतें हो चुकी हैं, जिनमें बच्चों की संख्या भी काफी है। गाजा पर अमरीका और इजरायल कब्जा कर लेना चाहते हैं। मध्य-पूर्व और आसपास के देशों पर ही दुनिया की अर्थव्यवस्था का एक मोटा हिस्सा आश्रित है। लाखों भारतीय भी इन देशों में काम करते हैं। यदि ईरान की डांवाडोल स्थिति के कारण सीरिया, लीबिया, लेबनान, इराक आदि देशों में भी हालात नहीं सुधरते हैं, तो उससे आतंकवाद और क्षेत्रीय उग्रवाद का विस्तार होगा। उनसे अन्य खाड़ी देशों की आंतरिक सुरक्षा प्रभावित होगी। आतंकवाद की 'काली छाया' भारत तक भी आ सकती है। दरअसल यह एक अजीब युद्ध था और उतनी ही नाटकीयता के साथ इस पर विराम घोषित किया गया। उससे पहले कतर के अमरीकी सैन्य बेस पर ईरान ने 14 मिसाइलों से जो हमला किया, वह भी नौटंकी था, क्योंकि हमले की पूर्व सूचना दे दी गई थी, लिहाजा 13 मिसाइलें हवा में ही नष्ट कर दी गईं और एक मिसाइल किसी अन्य दिशा में जाकर नष्ट हो गई। यह हमला इसलिए किया गया, ताकि ईरान अपनी अवाम को खुलासा कर सके कि हमने अमरीकी अड्डे पर भी हमला बोल कर बदला लिया है। युद्धविराम को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान के विरोधाभासी बयान हैं। बहरहाल अमरीका आदतन इस युद्धविराम का भी श्रेय ले रहा है। युद्धविराम स्थायी और निश्चित होना चाहिए। युद्धविराम के बावजूद दोनों देश एक-दूसरे पर हमले करें, यह बेमानी है। न युद्ध के मायने हैं और न ही युद्धविराम का महत्व है। ईरान की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि वह गुप्त, छिपी हुई गतिविधियों के बजाय कूटनीति और संवाद से काम करे। परमाणु हथियार को आक्रमण के बजाय अवरोधक का अस्त्र बनाए और पूरी पारदर्शिता बरते। ईरान को उत्तरी कोरिया नहीं बनना चाहिए।

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी

-संजय गोस्वामी-

पेंटागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ने ईरान पर जो अभियान चलाया था, उसका नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है। इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था। जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं। सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इस्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डो और नतांज में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फहान में एक सुविधा को निशाना बनाया गया, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों का संचालन करती है। नतांज और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं। अमेरिका ने नातान्ज और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फहान पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर कोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिजाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है। यह सुविधा लगभग 54, 000 वर्ग फीट में फैली हुई है और माना जाता है कि इसमें 3, 000 सेंट्रीफ्यूज हैं। 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना की शर्तों के तहत, ईरान को फोर्डो में संवर्धन गतिविधियों का संचालन करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। बी-2 बमवर्षक विमान जमीन से 200 फीट नीचे तक बहुत ही आक्रामक होता है, चाहे वह स्टील हो या कंक्रीट अब जबसिजफायर की घोषणा हुई है तो शांति से काम लेना चाहिएदूसरे देश ईरान पर युद्ध के लिए दबाव बना रहे हैं कि ईरान को परमाणु बम मिल जाएगा जिससे तनाव का माहौल बन रहा है। ट्रंप ने जो भी कहा है कि इजरायल उसके खिलाफ कभी कुछ नहीं करेगा। ईरान को परमाणु बम मिलने पर पूरी तरह से ईरान आक्रामक पूरी तरह से आक्रामक हो गया हैजिससे आम जनता को नुकसान हो रहा है 1960 के दशक की शुरूआत में, राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी को एक जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसने उनके प्रशासन को इजरायल की गुप्त परमाणु महत्वाकांक्षाओं में उलझा दिया। इस संघर्ष के केंद्र में इजरायल का परमाणु हथियार कार्यक्रम था, जिसका जेकेएफ (जेकेएफ) ने कड़ा विरोध किया, खासकर यह पता चलने के बाद कि देश अत्यधिक संदिग्ध परिस्थितियों में संयुक्त राज्य अमेरिका से यूरेनियम प्राप्त कर रहा था। इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और चुराए गए यूरेनियम का मामला दशकों से साज़िश और संदेह का स्रोत रहा है, कुछ विशेषज्ञों ने तो यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के परमाणु विकास के प्रति कैनेडी के विरोध ने 1963 में उनकी दुखद हत्या में योगदान दिया हो सकता है। परमाणु प्रसार पर कैनेडी की स्थिति अडिग थी। उन्होंने परमाणु हथियारों के प्रसार को वैश्विक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा, और इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाएं उनके लिए एक बड़ी चिंता का विषय थीं। राष्ट्रपति ने इजरायल सरकार पर अपने गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव डालने की कोशिश की, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) द्वारा इजरायल की डिमोना परमाणु सुविधा के संस्थागत, नियमित निरीक्षण के लिए दबाव डाला।

वैश्विक शांति और वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य

-प्रियंका सौरभ-

> भारत पाकिस्तान तनाव, चीन ताइवान, कोरिया तथा ऐसे ही अन्य विवाद एक ऐसी कठोर वास्तविकता की ओर इंगित करते हैं जहाँ स्थाई वैश्विक शांति एक दूर का, अस्पष्ट सा लगने वाला लक्ष्य प्रतीत होता है। वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य की जटिलताओं और उसके सामूहिक प्रयासों से वैश्विक शांति की ओर बढ़ने की चुनौतियों पर विचार और गंभीर काम करना अत्यंत प्रासंगिक है।

-विवेक रंजन श्रीवास्तव-

शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात एक नए शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के उदय की आशा थी परन्तु इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक में दुनियां एक विडंबनापूर्ण वास्तविकता के समक्ष आ खडी हुई है। ऐसा युग जहाँ अंतसंबंध और तकनीकी प्रगति की अभूतपूर्व ऊँचाइयों के बावजूद, युद्ध और संघर्ष पहले से कहीं अधिक व्यापक हैं। रूस यूक्रेन में चार साल से युद्ध, इजराइल और फिलिस्तीन के बीच अत्यधिक हिंसक और जटिल संघर्ष, अफ्रीका के विभिन्न क्षेत्रों में जारी गृहयुद्ध, एशिया में तनावपूर्ण सीमा विवाद, और सीरिया, यमन जैसे देशों में अभी भी चल रहे संकट के बीच ईरान इजराइल युद्ध में अमेरिका की एंट्री से विश्व शांति पर प्रश्न चिन्ह लग गया है।

भारत पाकिस्तान तनाव, चीन ताइवान, कोरिया तथा ऐसे ही अन्य विवाद एक ऐसी कठोर वास्तविकता की ओर इंगित करते हैं जहाँ स्थाई वैश्विक शांति एक दूर का, अस्पष्ट सा लगने वाला लक्ष्य प्रतीत होता है। वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य की जटिलताओं और उसके सामूहिक प्रयासों से वैश्विक शांति की ओर बढ़ने की चुनौतियों पर विचार और गंभीर काम करना अत्यंत प्रासंगिक है।

आज के युद्धों की प्रकृति पारंपरिक सीमाओं को लांघ चुकी है। वे केवल दो राष्ट्रों के बीच सीमित संघर्ष नहीं रहे। इनमें प्रॉक्सी युद्धों का बोलबाला है जहाँ महाशक्तियाँ अन्य देशों या समूहों के माध्यम से अपने हित साधती हैं जैसा सीरिया या यमन में देखा गया। युद्ध तकनीक का प्रयोग बढ़ा है, जहाँ छोटे समूह या गैर-राज्य बड़ी सेनाओं के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध और आतंकवादी हमलों का सहारा लेते हैं।

साइबर युद्ध एक नया और खतरनाक मोर्चा खोल चुका है जिसमें बुनियादी ढांचे पर हमले, विघटनकारी प्रचार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा शामिल है। सूचना युद्ध, झूठी खबरों और प्रोपेगैंडा के माध्यम से जनमत को प्रभावित करने और विभाजित करने का प्रयास करता है। ये सभी पहलू युद्ध को और अधिक विनाशकारी, टिकाऊ और समाधान के लिए दुर्गम बना देते हैं।

इन संघर्षों के मूल में अनेक जटिल और अक्सर गुंथे हुए कई कारण निहित हैं। भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, विशेष रूप से अमेरिका और चीन के बीच तथा रूस की पश्चिम के साथ बढ़ती टकराहट, अंतरराष्ट्रीय तनाव के प्रमुख स्रोत है। ये प्रतिस्पधाएँ व्यापार, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए हैं जो अक्सर अन्य देशों में संघर्षों को हवा देती हैं। संसाधनों पर नियंत्रण चाहे वह तेल, गैस, खनिज हों या पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताएँ, भीषण संघर्षों को जन्म देते रहे हैं।

पहचान की राजनीति, जातीय, धार्मिक या सांस्कृतिक पहचान पर आधारित गहरे विभाजन और वैमनस्य अक्सर हिंसा को ईंधन देते हैं, जैसा म्यांमार में रोहिंग्या संकट या अफ्रीका के कई हिस्सों में देखा जा सकता है। आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर संस्थान, भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता गृहयुद्धों और राज्य-विफलता को जन्म देते हैं। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन एक और खतरे के रूप में उभरा है, जो संसाधनों की कमी पैदा करके और पलायन को बढ़ावा देकर मौजूदा तनावों को बढ़ाता है और नए संघर्षों का कारण बनता है।

इस चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में वैश्विक शांति की अवधारणा और उसकी प्राप्ति एक कठिन कार्य है। शांति का अर्थ अब केवल गोलाबारी का बंद होना नहीं रह गया है। एक सकारात्मक, गतिशील और न्यायपूर्ण स्थिति आवश्यक है जिसमें संघर्षों को शांतिपूर्ण तरीकों से हल करने की व्यवस्थाएँ हों, मानवाधिकारों का सम्मान हो, सामाजिक न्याय हो और टिकाऊ विकास के अवसर हों। हालाँकि, वर्तमान व्यवस्था इस दिशा में गंभीर बाधाएँ प्रस्तुत करती है। बहुपक्षीय संस्थान, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अक्सर महाशक्तियों के वीटो के कारण गतिरोध का शिकार हो जाते हैं और प्रमुख संकटों में कारगर हस्तक्षेप करने में अक्षम साबित होते हैं। शस्त्रों की दौड़, विशेषकर परमाणु हथियारों का प्रसार, विनाश का एक स्थायी खतरा पैदा करता है। आर्थिक असमानता और विकास का असंतुलन, वैश्विक असंतोष और अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं। कट्टर धार्मिकता, राष्ट्रवाद और अलगाववाद की बढ़ती प्रवृत्तियाँ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को कमजोर करती हैं।

निराशा के इस माहौल में भी, वैश्विक शांति की दिशा में आगे बढ़ने के मार्ग हैं। सबसे पहले, बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित और सुधारने की तत्काल आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, लोकतांत्रिक और कार्यक्षम बनाना होगा, जहाँ शक्ति का संतुलन वास्तविक वैश्विक जरूरतों को दर्शाता हो। क्षेत्रीय संगठनों जैसे अफ्रीकी संघ, यूरोपीय संघ, आसियान की भूमिका को मजबूत करना चाहिए, क्योंकि वे स्थानीय संदर्भ को बेहतर ढंग से समझते हैं। दूसरा, संघर्षों की रोकथाम पर जोर देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए तनाव के प्रारंभिक संकेतों की पहचान करना, राजनयिक संवाद को निरंतर बनाए रखना, आर्थिक और राजनीतिक दबाव के शांतिपूर्ण उपायों का प्रयोग करना और गहरे जड़ जमाए कारणों असमानता, लोकतांत्रिक शासन की कमी को सुधार करना शामिल है। तीसरा, आर्थिक विकास, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहायता को शांति के साधन के रूप में बढ़ावा देना चाहिए। जब देश व्यापार, निवेश और विकास परियोजनाओं के माध्यम से एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, तो युद्ध की लागत बहुत अधिक हो जाती है।

संघर्ष समाधान और शांति निर्माण के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता आवश्यक है। युद्धविराम के बाद राष्ट्रीय पुनर्निर्माण, न्यायिक प्रक्रियाओं सत्य एवं सुलह आयोग, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और आर्थिक पुनर्वास में निवेश करना होगा। अंततः, जलवायु परिवर्तन जैसे अस्तित्व गत खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है, क्योंकि ये खतरे सभी राष्ट्रों के सामान्य भविष्य को प्रभावित करते हैं और संघर्ष के नए स्रोत पैदा कर सकते हैं।

वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। यह एक ऐसी दुनिया को दशार्ता है जो अभी भी शक्ति, भय और विभाजन की प्राचीन प्रवृत्तियों से ग्रस्त है। यद्यपि इतिहास यह भी सिखाता है कि सहयोग, संवाद और साझा मानवता की भावना के माध्यम से ही शांति संभव है। वैश्विक शांति कोई सहज प्राप्य उपलब्धि नहीं है, यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, रचनात्मक राजनय, संस्थागत सुधार और प्रत्येक स्तर पर न्याय के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। युद्ध की भयावह लागत, जीवन की हानि, मानवीय पीड़ा, आर्थिक विनाश और पर्यावरणीय क्षति हमें याद दिलाती है कि शांति के लिए प्रयास करना कोई नैतिक विलासिता नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व और समृद्धि के लिए एक परम आवश्यकता है।

हमारा युद्धविराम, उनका युद्धविराम!

-शकील अख्तर-

आज खोमेनेई के साथ ट्रंप का नेतृत्व भी चचाओं में है। हालांकि दोनों एक-दूसरे को सख्त नापंसद करते है। फि पर दोनों की हिम्मत की चर्चा है। ऐसे ही यूक्रेन के जेलेन्स्की और रूस के पुतिन भी अपने देश हित, अपनी शर्तों पर लगातार लड़ते हुए है। दोनों ट्रंप के सामने अपनी बात दबंगी से बोलते हैं। मगर हमारे यहां सेना की बढ़त थी तो अचानक ट्रंप द्वारा घोषित सीजफायर को तुरंत मान लिया गया। दुनिया ने जाना देखा कि युद्धविराम पाकिस्तान के फायदे के लिए था।

हर समय एक विशिष्ट पैमाना होता है काल का। वह क्या-कैसा होगा, यह कोई तय नहीं कर सकता। वह अचानक ही समय के गर्भ से प्रस्फुटित होता है। और फिर दुनिया समय के उसी पैमाने पर व्यक्ति को आंकती है। इस समय सारी दुनिया नेतृत्व के भंवर में है। हर जगह चर्चा है कि नेतृत्व ऐसा होना चाहिए या वैसा होना चाहिए! जाहिर है कि इस सप्ताह के घटनाक्रम में पहला नाम ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का है। जिन्होंने इजराईल और अमेरिका को संघर्ष विराम पर मजबूर कर दिया। नहीं तो यह दोनों ईरान को तहस नहस करने, अली खामेनेई को जान से मारने की बातें कर रहे थे। दुनिया का एक बड़ा हिस्सा भी खामेनेई को खलनायक की तरह पेश कर रहा था।

मगर उन्होंने इतनी बहादुरी से लड़ा, अपनी सेना की ताकत से दस गुना बेहतर प्रदर्शन किया कि जो लोग उनका मजाक उड़ा रहे थे, हल्के में आंक रहे थे आज वे भी उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। कामयाबी सही और गलत की सारी धारणाएं बदल देती है। इसको इस तरह देखें कि नेतृत्व के पैमाने पर खामेनेई का नाम तो सबसे उपर आ ही रहा है। मगर आप अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आत्मविश्वासी नेतृत्व को भी नहीं नकार सकते।

फिर वही बात कि सही और गलत का फैसला अपने अपने संदर्भों में होता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने डेढ़ महीने के अंदर दो बड़े युद्ध विरामों की घोषणा की। पहले भारत-पाक के बीच और अब ईरान-इजराइल के बीच। और यह दूसरी तो बड़ी गाली देते हुए धमकी के साथ। अब इन युद्धविरामों के फायदे नुकसान हर देश के हिसाब से अलग अलग हैं। मगर ट्रंप में वह ताकत थी कि खुद युद्ध विरामों की घोषणा कर सकते थे तो किया। नेतृत्व की यही पहचान होती।

तो खोमेनेई के साथ ट्रंप का नेतृत्व भी आज चचाओं में है। और आप एक जबरदस्त विरोधाभास देखिए कि दोनों एक दूसरे को सख्त नापंसद करने वाले। दो विपरीत ध्रुव मगर दोनों छा गए। और एक दूसरा उदाहरण दे रहे हैं। यहां भी नेतृत्व की मजबूती देखिए। यूक्रेन के जेलेन्स्की और रूस के पुतिन की। करीब साढ़े तीन साल हो गए दोनों को लड़ते हुए। ट्रंप ने दूसरी बार सत्ता में आने के बाद सबसे पहले इन दोनों के बीच ही युद्ध विराम करवाने की कोशिश की। मगर जैसा ईरान ने किया है वैसे ही यह दोनों भी अपने समय और शर्तों पर चाहते हैं। अपने अपने देश के हित दोनों के सामने हैं और उसके लिए ट्रंप के सामने दबंगी से बोलते हैं।

जेलेन्स्की की वह वीडियो तो वायरल है जिसमें वे ट्रंप और वहां के उप-राष्ट्रपति वेन्स के साथ तीखी बहस कर रहे हैं। और साफ कह रहे हैं कि वे युद्ध विराम को नहीं मानेंगे। फिर वही बात सही और गलत का फैसला बाद में इस आधार पर होगा कि कि युक्रेन ने उस दिन समझौता न करके क्या उससे ज्यादा कुछ हासिल किया। लेकिन तीन महीने पहले उस दिन दिन अमेरिकी राष्ट्रपति के दफ्तर ओवल आफिस में जिस तरह जेलेन्स्की ने अपने देश का पक्ष रखा उससे वे मजबूत नेता के तौर पर उभर कर सामने आ गए। जहां तक पुतिन का सवाल है तो वह अमेरिका के खिलाफ इस समय सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। उनका मजबूत नेतृत्व ही है कि सारे नाटो देशों का ताकत के सामने वह अकेले लड़ रहे हैं।

तो आपने देखा कि अपने अपने देश के हितों के लिए व्यक्तिगत छवि की कोई परवाह किए बिना इन नेताओं ने काम किया। और अपने अपने देश में इज्जत कमाने के साथ अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी नाम किया। लेकिन सब नेता ऐसा नहीं कर पाते हैं। हमारे यहां जब सेना बढ़त पर थी तो अचानक ट्रंप द्वारा घोषित सीजफायर स्वीकार कर लिया। पूरे देश में निराशा का माहौल छा गया। यहां यह समझना जरूरी है कि सीजफायर पाकिस्तान को तो सूट करता था। उसकी सेना हमारी सेना का मुकाबला नहीं कर सकती थी। अगर 10 मई को शाम पांच बजे ट्रंप की घोषणा के मुताबिक युद्द विराम नहीं होता तो पाकिस्तान को बहुत नुकसान हो जाता। युद्ध विराम पाकिस्तान के फायदे के लिए था। उसने इसके लिए ट्रंप का धन्यवाद किया। नोबल शांति पुरस्कार के लिए उनका नाम प्रस्तावित किया। उनके आर्मी चीफ आसीम मुनीर जो बड़ी हार के बाद पाकिस्तान में खलनायक बन जाते प्रमोशन पाकर फील्ड मार्शल बन गए। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें लंच के लिए न्यौता दिया।

कितने आश्चर्य दुःख की बात है कि कहां सेनाध्यक्ष का लंच और कहां हमारे प्रधानमंत्री पब्लिक मीटिंग में कह रहे हैं कि मुझे भी खाने पर बुलाया था। उसके समकक्ष खुद को रखना देश का अपमान है। ट्रंप ने हमारे सेनाध्यक्ष को बुलाया होता समझ में आता। मगर प्रधानमंत्री ने क्या किया क्या बोल रहे हैं किसी की समझ में नहीं आ रहा।

ट्रंप द्वारा घोषित युद्धविराम क्यों माना? आज तक इसका जवाब नहीं दिया। 10 मई के बाद बहुत बोले कई भाषण किए मगर इस बात को जवाब नहीं दिया कि युद्ध विराम का समय जैसा ईरान ने अपनी मर्जी से चुना वे क्यों नहीं चुन पाए? ट्रंप ने कहा शाम पांच बजे। ठीक पांच बजे हमारी सेना से कार्रवाई बंद करवा दी। मगर पाकिस्तान जिसके जरूरत थी युद्ध विराम की वह अपनी सार्वभौमिकता दिखाने के लिए ड्रोन पहुंचाता रहा। लोगों को अगर इस मौके पर इन्दिरा गांधी याद गईं तो क्या गलत याद आईं। मजबूत नेतृत्व की यही तो खूबी होती है कि वह सही समय पर लोगों के जेहन में अचानक आ उभरता है। 1971 का युद्ध, बांग्लादेश का बनना, अमेरिका का इसे रोकने की कोशिश, इन्दिरा का कड़ा जवाब सब लगों को याद आ गया।

अब इसे कमतर दिखने के लिए कहा जाना लगा कि उस समय जनरल मानेकशा थे। क्या मजाक है? वह भी अपने देश के जनरलों के साथ। जनरल मानेकशा थे बड़े फौजी मगर इसका क्या मतलब कि आज के जनरल कम हैं? कुछ भी बोल देते हैं। नेतृत्व राजनीतिक होता है। और युद्धकाल या युद्ध समान स्थिति में वोट के लिए काम नहीं करता। अपनी व्यक्तिगत छवि बनाने की कोशिश नहीं करता। सिर्फ एक पैमाना होता है देश हित का। और अभी जो उपर नाम गिनाए अली खामेनेई का, जेलेन्स्की का, पुतिन का और ट्रंप का उन सबने अपने राष्ट्रीय हित देखते हुए फैसले लिए। गौर कीजिए इन नामों में इजाराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का नाम नहीं आ पाया।

क्या भारत सिंधु जल समझौता रद्द करने वाला है

-राजेश कुमार पासी-

बार-बार मोदी सरकार की तरफ से यह बयान आता रहता है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, सिर्फ उसे रोका गया है। सवाल यह है कि बार-बार मोदी सरकार के मंत्री और नेता ऐसा बयान क्यों दे रहे हैं। इसकी वजह यह है कि सिंधु जल समझौता निलंबित करना भी ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा है और ये लगातार जारी है। इस समझौते को निलंबित करने से पाकिस्तान बहुत परेशान है इसलिए उसके नेताओं के बयान आ रहे हैं कि अगर भारत ने पाकिस्तान की नदियों का पानी रोका तो पाकिस्तान युद्ध के लिए मजबूर हो जायेगा। भारत सरकार ने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जब तक पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाई जाती, तब तक इस समझौते पर कोई बात नहीं होगी। पाकिस्तान सिंधु जल समझौते को बहाल करने के लिए विभिन्न देशों से गुहार लगा रहा है लेकिन भारत इस मुद्दे पर किसी की सुनने को तैयार नहीं है। अमेरिका और चीन भी इस मुद्दे पर पाकिस्तान के किसी काम नहीं आ रहे हैं। शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि भारत सिंधु जल समझौते का निलंबन अब वापिस नहीं लेगा। उन्होंने इशारा कर दिया है कि भारत इस समझौते को हमेशा के लिए रद्द करने जा रहा है। इससे पूरा पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो ने बयान दिया है कि अगर भारत पाकिस्तान को पानी नहीं देता है तो पाकिस्तान भारत से जंग करेगा और तीन नहीं बल्कि छह नदियों का पानी हासिल कर लेगा।

सिंधु जल समझौता विश्व बैंक की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर किया गया था। 19 सितम्बर 1960 को कराची में प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये थे। इस समझौते के तहत सिंधु नदी और उसकी पांच सहायक नदियों सतलुज, ब्यास, रावी, झेलम और चिनाब के पानी को लेकर दोनों देशों ने एक व्यवस्था तैयार की थी। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने आपसी सहयोग और सूचना का आदान-प्रदान करने की बात कही थी। इस समझौते के अनुसार सतलुज, ब्यास और रावी का पानी भारत को आवंटित कर दिया गया था और पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदी का 80 प्रतिशत पानी आवंटित किया गया था। देखा जाये तो यह समझौता पूरी तरह से पाकिस्तान के पक्ष में था और भारत को इसका बड़ा नुकसान हुआ।

वास्तव में भारत को जिन नदियों का पानी दिया गया उनका पाकिस्तान से कोई सम्बन्ध नहीं था। भारत में ही बहने वाली नदियों का पानी भारत को इस्तेमाल करने के लिए किसी समझौते की जरूरत नहीं थी। जो नदियां भारत की थी, उनका इस्तेमाल तो भारत को ही करना था। समझौता मुख्य रूप से सिंधु, झेलम और चिनाब नदी को लेकर किया गया था। सवाल यह है कि जिन नदियों पर भारत-पाकिस्तान का सांझा अधिकार था, वहां भारत के अधिकार की अनदेखी करते हुए तत्कालीन नेहरू सरकार ने 80 प्रतिशत पानी को पाकिस्तान के हवाले क्यों कर दिया। जब यह समझौता किया गया तो भारत में इसका जबरदस्त विरोध हुआ था लेकिन नेहरू जी ने किसी की नहीं सुनी।

वास्तव में नेहरू जी चाहते थे कि पड़ोसी देश होने के कारण पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध बने रहे, इसलिए उन्होंने यह समझौता किया। वो शायद सोच रहे थे कि पाकिस्तान को फायदा पहुंचा कर उसे खुश कर देंगे और वो भारत के साथ बेहतर संबंध रखेगा। यही सोच उनकी चीन को लेकर भी थी. उसे उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट थाली में सजाकर दे दी थी। जब अमेरिका द्वारा यह सीट भारत को देने की पेशकश की गई तो उन्होंने चीन को इसके लिए ज्यादा योग्य माना और उसके लिए सिफारिश कर दी। आज भारत इस सीट को पाने के लिए गली-गली भटक रहा है। चीन को खुश करने के लिए ही नेहरू जी ने उसे तिब्बत पर कब्जा करने दिया ताकि वो खुश रहे लेकिन उस चीन ने भारत पर आक्रमण करके भारत की जमीन पर भी कब्जा कर लिया। ऐसे ही सिंधु जल समझौते के तहत भारत ने सांझी नदियों का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया। हैरानी की बात यह है कि भारत ने अपने हिस्से का 20 प्रतिशत पानी भी पाकिस्तान की तरफ जाने दिया। इसके बावजूद पाकिस्तान ने समझौता होने के बाद भारत पर तीन बार युद्ध थोप दिया है।

इसके अलावा पाकिस्तान पिछले 45 सालों से भारत को आतंकवाद की आग में जला रहा है। पंजाब में ऐसी आग लगाई कि वो भारत से अलग होते-होते बचा। पाकिस्तान की लगाई आग में जम्मू-कश्मीर अभी तक जल रहा है। इसके अलावा पाकिस्तान भारत के शत्रु राष्ट्रों के साथ मिलकर नई-नई साजिशें करता रहता है। हम अपनी तरफ से इस समझौते का पूरा पालन करते आ रहे हैं लेकिन पाकिस्तान ने इस समझौते का कभी पालन नहीं किया। इस समझौते का आधार ही यही था कि दोनों देश आपस में प्रेम पूर्वक रहेंगे। पाकिस्तान ने इन नदियों के पानी पर अपना पूरा हक मान लिया है इसलिए उसे लगता है कि वो कुछ भी करता रहे, भारत इस समझौते से पीछे हटने वाला नहीं है। इसकी वजह शायद यह है कि तीन युद्धों के अलावा उसके द्वारा फैलाये जा रहे आतंकवाद को अनदेखा करते हुए हम इस समझौते का पालन पूरी ईमानदारी से करते आ रहे हैं। एक सच यह भी है कि इतना पुराना समझौता दो देशों के बीच नहीं टिकता. 65 साल बाद इस समझौते पर दोबारा विचार करने की जरूरत तो वैसे भी महसूस की जा रही थी। मोदी सरकार पाकिस्तान को इस बारे में कई बार सूचित कर चुकी है।

2014 के बाद मोदी सरकार के सत्ता में आने से माहौल बदल गया है। 2016 में उरी में आतंकवादी हमले के बाद ही मोदी जी ने पाकिस्तान को चेतावनी दे दी थी कि अगर पाकिस्तान नहीं संभला तो इस समझौते पर भारत सरकार पुनर्विचार कर सकती है। मोदी सरकार अच्छी तरह जानती थी कि इस समझौते का ज्यादा दिनों तक पालन करना संभव नहीं है, इसलिए इन नदियों का पानी भारत लाने की तैयारी 2016 के बाद से ही शुरू कर दी गई थी। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले एक दिन बाद भारत सरकार ने इस समझौते को निलंबित करने का ऐलान कर दिया था और अभी तक उस पर कायम है। पाकिस्तान को लगा कि भारत के पास पानी रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए वो चुप रहा। अब उसे धीरे-धीरे पता चल गया है कि भारत इस समझौते को रद्द करके उसे बर्बाद करने की पूरी तैयारी कर चुका है। बेशक हमारे पास आज पानी को रोकने की पूरी व्यवस्था नहीं है लेकिन हम पानी को रोक कर अपनी मर्जी से पाकिस्तान में भेज सकते हैं। हम पाकिस्तान को तब पानी नहीं देंगे जब उसको जरूरत होगी और जब देंगे तो इतना देंगे कि वहां बाढ़ आ जाएगी।

इसके अलावा भारत सरकार ने इन नदियों के पानी का बड़ा हिस्सा भारत में लाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें कुछ समय लगने वाला है लेकिन जब यह काम हो गया तो पाकिस्तान पानी-पानी चिल्लाने लगेगा। भारत सरकार जानती है कि पाकिस्तान सीधा होने वाला नहीं है इसलिए भारत सरकार अपने काम में जुट गई है। संयुक्त राष्ट्र में भी भारत ने स्पष्ट कह दिया है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते।

अमेजन कंपनी के फाउंडर जेफ बेजोस अपनी मंगेतर से आज करेंगे विवाह

दुनिया के तीसरे अमीर शख्स की शादी में खर्च होंगे अरबों रुपए

वेनिस / एजेंसी।

ईकॉमर्स कंपनी अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस अपनी मंगेतर लॉरेन सांचेज (Lauren Sanchez) के साथ शादी करने जा रहे हैं। उनकी शादी इटली के वेनिस शहर में शुक्रवार को होगी । दोनों इसके लिए बुधवार को ही इटली पहुंच गए थे। उनकी शादी का समारोह बहुत ही शानदार होने वाला है। इसमें लगभग 10 मिलियन डॉलर (करीब 86 करोड़ रुपये) का खर्च आएगा। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह खर्च 56 मिलियन डॉलर तक का बताया गया है।

लॉरेन सांचेज टीवी पत्रकार है। उनकी उम्र 55 साल है, जबकि जेफ बेजोस 61 साल के हैं। शादी का जश्न तीन दिनों तक चलने की उम्मीद है यानी 26 से 28 जून तक। जेफ बेजोस 233 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के तीसरे

सबसे अमीर शख्स हैं। स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए, उनके विवाह ब्रिटेनिका के मुताबिक दुनिया की टॉप 5 महंगी शादियां इस प्रकार है

दुनिया की अब तक की टॉप 5 महंगी शादियां

खादिजा उझाखोवा और सैद गुत्सेरिएव: यह शादी 26 मार्च 2016 को मॉस्को के सफिसा बैंक्वेटिंग वेन्यू में हुई थी। यह दुनिया की अब तक की सबसे महंगी शादी है। इस शादी का खर्चा करीब 1 अरब डॉलर था। इस शादी में जेनिफर लोपेज ने रिसेप्शन में गाना गाया था। सैद गुत्सेरिएव के पिता मिखाइल गुत्सेरिएव तेल और मीडिया के बड़े कारोबारी हैं। उन्होंने इस शादी का पूरा खर्चा उठाया था। खादिजा उझाखोवा डेंटिस्ट हैं।

राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी : मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की यह शादी पिछले साल जुलाई में मुंबई में हुई थी। इस शादी का खर्चा 600 मिलियन डॉलर से 1 बिलियन डॉलर के बीच बताया जाता है। राधिका मर्चेंट के पेरेंट्स वीरेन और शैला मर्चेंट को 'फार्मास्युटिकल टाइकून' कहा जाता है। शादी से पहले कई कार्यक्रम हुए जिसमें मार्च 2024 में एक इवेंट भी शामिल था। इसमें रिहाना ने परफॉर्मेंस दी थी। साथ ही जस्टिन बीबर, केटी पेरी और एंड्रिया बोसेली ने भी कॉन्सर्ट किए थे। शादी में किम कार्दशियन, निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा जोनस, जॉन सीना और टोनी ब्लेयर जैसे बड़े सितारे भी शामिल हुए थे।

डायना और प्रिंस चार्ल्स : यह शादी 29 जुलाई 1981 को लंदन के सेंट पॉल कैथेड्रल में हुई थी। इस शादी का खर्चा 48 मिलियन डॉलर था जो आज के हिसाब से करीब 166 मिलियन डॉलर है। इस शादी को 'वेडिंग ऑफ द सेंचुरी' कहा गया था। शादी से पहले बकिंघम पैलेस में एक गाला बॉल हुआ था और शादी से एक रात पहले लंदन में एक बड़ा आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया था। यह समारोह में 3500 लोग शामिल हुए थे, जबकि करीब 75 करोड़ लोगों ने इसे टेलीविजन पर देखा था।

ईशा अंबानी और आनंद पीरामल : मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की शादी 12 दिसंबर 2018 को मुंबई के एंटीलिया हाउस में हुई थी। इस शादी का खर्चा 100 मिलियन डॉलर था। इस शादी में मेहमानों के लिए 1000 से ज्यादा लग्जरी गाड़ियां, जैसे कि जगुआर और पोर्श, उपलब्ध कराई गई थीं। आनंद पीरामल अरबपति अजय पीरामल के बेटे हैं। शादी की शुरुआत इटली के लेक कोमो में एक सगाई पार्टी से हुई थी।

मेघन मार्कल और प्रिंस हैरी

यह शादी 19 मई 2018 को इंग्लैंड के विंडसर कैसल के सेंट जॉर्ज चैपल में हुई थी। इस शादी का खर्चा 45 मिलियन डॉलर था। प्रिंस हैरी की शादी मेघन मार्कल से हुई थी, जो एक अमेरिकी एक्ट्रेस हैं। इस शादी को दुनिया भर में लगभग 1.9 अरब लोगों ने देखा था। मेहमानों में जॉर्ज क्लूनी, सेरेना विलियम्स और ओपरा विनफ्रे जैसे सितारे शामिल थे। प्रिंस चार्ल्स ने लगभग 200 मेहमानों के लिए एक शाम का रिसेप्शन भी रखा था। खबरों के अनुसार सुरक्षा पर सबसे ज्यादा खर्चा हुआ था जो लगभग 40 मिलियन डॉलर था। जेफ बेजोस की शादी कल, जानें कितनी रकम होगी खर्च, लेकिन इन 5 शादियों के आगे ठंडा पड़ जाएगा जोश

12 दिन की जंग में सपनों के शहर से नरक बन गया इजराइल

तेलअवीव, एजेंसी। इजराइल ने ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' शुरू किया। इजरायली वायुसेना ने तेहरान, इस्फहान और नातांज जैसे क्षेत्रों में ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। इसके जवाब में ईरान ने ह्यऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3ह्ल की शुरूआत कर इजरायल पर मिसाइलों की बारिश कर दी। इसके बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया है, दोनों देशों में हुए नुकसान का आकलन हो रहा है।

12 दिन, बदल गया इजरायल का नक्शा

इजरायल से सामने आईं कई तस्वीरें बात रही हैं कि किस तरह युद्ध ने देश के बड़े शहरों को

खंडहर में बदल दिया है। तेल अवीव जैसी ऊंची इमारतों वाली नगरी, कई जगह मलबे के ढेर में बदल गई। सिर्फ मलबा नजर आता है, शहर की रफ्तार थम गई है।

एक तस्वीर इजराइल के स्टॉक एक्सचेंज की है। एक समय था जब इस चमचमाती इमारत की रौशनी इजरायली कंपनियों की ताकत का प्रतीक थी, लेकिन अब, ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों ने पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। ये दक्षिण इस्राएल का सोरोका हॉस्पिटल है, जिसे ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों ने खंडहर बना दिया। तेल अवीव के कई हिस्सों–जैसे रिशोन लेजियन, पेटाह तिक्वा और बेत यम में कई आवासीय इमारतें आंशिक या पूरी तरह से नष्ट हो गईं। ये तस्वीरें इजराइल के बीशेर्बा शहर स्थित माइक्रोसॉफ्ट बिल्डिंग की हैं, जहां ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में पूरी इमारत तबाह हो गई।

ईरान की घातक मिसाइलों के निशाने पर हाइफा शहर भी आया, जहां ऐतिहासिक अल-जरीना ग्रैंड मस्जिद को गंभीर नुकसान हुआ। 1775 में बनी यह मस्जिद 1901 में ओट्टोमन साम्राज्य द्वारा विस्तारित की गई थी। हाइफा की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की यह अहम पहचान बिल्कुल ही बदल चुकी है।

इटावा में कथावाचक की पिटाई पर मचा बवाल

यादव संगठन के दो हजार लोगों ने थाना घेरा, पुलिस पर किया पथराव, गाड़ी तोड़ी

इटावा/ एजेंसी।

इटावा में यादव कथावाचक की पिटाई को लेकर बवाल हो गया। गुरुवार को अहीर रेजिमेंट और यादव संगठन के करीब 2 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया। कथावाचक पर मुकदमा और नेता गगन यादव को नजरबंद किए जाने के विरोध में नारेबाजी की।

पुलिस ने समझा-बुझाकर लोगों को शांत करा दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी आगरा-कानपुर हाईवे पर दादरपुर गांव के बाहर जमा हो गए। यह वही गांव है, जहां 22 जून को कथावाचक और उसके दो साथियों की ब्राह्मणों ने पिटाई की थी। सूचना पाकर पुलिस दादरपुर गांव पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शन करने वालों को समझाना चाहा, तो नोकझोंक हो गई। तभी भीड़ ने पुलिस की गाड़ी पर पथराव कर दिया।पुलिस ने हंगामा बढ़ता देख 12 थानों की फोर्स बुलाई। इंस्पेक्टर ने पिस्टल निकालकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। दावा है- पुलिस की तरफ हवाई

फायरिंग भी की गई। यहां पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत में लिया है। आसपास के 4 गांवों में पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है। इंडियन रिफॉर्म्स ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष गगन यादव ने कथावाचक की पिटाई मामले पर विरोध जताया था। उन्होंने गुरुवार को सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ इटावा आने का ऐलान किया था। जिसके बाद पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लिया था। इसके विरोध में कई जिलों से यादव समाज के लोग इटावा पहुंचे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने दादरपुर गांव में घुसने से पहले जाति पूछी

इटावा के दादरपुर गांव में प्रदर्शनकारी आने-जाने वालों से उनकी जाति पूछकर आगे बढ़ने दे रहे थे। इसकी सूचना पर पहुंची पुलिस से प्रदर्शनकारियों की नोकझोंक हो गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की गाड़ी सीज कर दी। इस पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। प्रदर्शनकारियों ने आगरा-कानपुर नेशनल हाईवे जाम कर दिया। पुलिस की गाड़ियों पर पथराव कर दिया। पथराव में पुलिस की एक गाड़ी का सामने का शीशा टूट गया। एसपी ग्रामीण समेत मौके पर बकेवर, इकदिल, लवेदी, चकरनगर, भरथना, सैफई, ऊसराहार सहित 12 थानों की पुलिस फोर्स मौजूद है। दो सीओ पुलिस फोर्स के साथ दादरपुर गांव जाने वाले रास्ते पर तैनात हैं। पहाड़पुरा, उरेंग, नौधना, दादरपुर गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस को शक है कि प्रदर्शनकारी भागकर इन गांवों में छिपे हैं।

प्रदर्शनकारी बोले- गगन यादव को छोड़ा जाए : यादव समाज के लोगों ने प्रदर्शन करते हुए गगन यादव को छोड़े जाने की मांग की। उनका कहना है कि कथावाचक के दो साथियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को वापस लिया जाए। कथावाचकों के साथ मारपीट करने वालों को गिरफ्तार किया जाए। पुलिस ने दोनों कथावाचकों पर मुकदमा दर्ज किया है। हम इसी का विरोध करने पहुंचे थे।

राजनाथ सिंह ने किंगदाओ में रूस के रक्षा मंत्री से मुलाकात की

किंगदाओ/नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को अपने रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव के साथ बातचीत की, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य और द्विपक्षीय रक्षा तथा रणनीतिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन से इतर हुई।

सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बातचीत को ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने कहा, "किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक

से इतर रूस के रक्षा मंत्री आंद्रे बेलौसोव से मिलकर खुशी हुई। हमने भारत-रूस रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने पर ज्ञानवर्धक विचार-विमर्श किया।" ऐसा समझा जा रहा है कि सिंह ने पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद से भारत को चुनौती पर बात की। माना जा रहा है कि दोनों मंत्रियों ने एक जुलाई को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में भारतीय नौसेना की रूस निर्मित गाइडेड मिसाइल पनडुब्बी 'आईएनएस तमाल' के आगामी जलावतरण पर भी चर्चा की।

जश्न मना रहे लोगों पर फायरिंग में 10 की मौत

मेक्सिको सिटी,आरएनएन। मध्य मेक्सिको के गुआनाजुआटो राज्य के एक शहर इरापुआटो में संरक्षक संत उत्सव में 24 जून की रात को गोलीबारी में बच्चों सहित कम से कम 10 लोग मारे गए। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बुधवार सुबह इसकी पुष्टि की।

राष्ट्रपति ने मेक्सिको सिटी में नेशनल पैलेस में अपने दैनिक पीसी में कहा कि यह वास्तव में एक झड़प थी, लेकिन दुर्भाग्य से बच्चों की मौत हो गई। शीनबाम ने कहा कि जो हुआ वह बहुत खेदजनक है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच चल रही है और उन्होंने राज्य में चल रही हिंसा से निपटने गुआनाजुआटो के गवर्नर लीबिया डेनिस गार्सिया मुनोज़ लेडो के साथ मिलकर काम करने का वादा किया है।

5 साल बाद भारतीय तीर्थयात्रियों का पहला जत्था कैलाश मानसरोवर यात्रा पर पहुंचा

बीजिंग / एजेंसी।

भगवान शिव का निवास माने जाने वाले कैलाश पर्वत और मानसरोवर की पूजा-अर्चना के लिए तिब्बत रवाना हुआ भारतीय तीर्थयात्रियों का पहला जत्था गुरुवार को पवित्र स्थल पर पहुंचा। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जानकर प्रसन्नता हुई कि तीर्थयात्रियों का पहला जत्था चीन के शिजांग (तिब्बत) स्वायत्त क्षेत्र में मपाम युन त्सो (मानसरोवर) झील पर पहुंच गया है। यात्रा के लिए गये 36 तीर्थयात्रियों का जत्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे पांच वर्ष के अंतराल के बाद इस पवित्र स्थान पर आने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों का पहला समूह हैं। पूर्वी लद्दाख गतिरोध के बाद भारत और चीन के बीच चार साल से अधिक समय तक द्विपक्षीय संबंधों में गर्मजोशी नहीं रही। रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बैठक के बाद दोनों देश संबंधों को फिर बहाल करने पर सहमत हुए थे।

रश्मिका ने दमदार लुक से की नई फिल्म की घोषणा

मुंबई / एजेंसी।

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने दमदार लुक के साथ की अपनी आगामी फिल्म की घोषणा फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपनी आगामी फिल्म की घोषणा कर दी है। रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर साझा कर अपनी आगामी फिल्म की घोषणा की है। रश्मिका इस फिल्म में एक दमदार और अब तक कभी न देखे गए अवतार में नजर आने वाली हैं।

पोस्टर में रश्मिका मंदाना एक दमदार और निडर अवतार में हाथ में भाला लिए हुए नजर आ रही हैं। रश्मिका ने अपने इस पहले लुक को शेयर करते हुए लिखा कि आप सबको आखिरकार दिखा रही हूं कि हम किस पर इतनी मेहनत कर रहे थे! ये रश्मिका आपने पहले कभी नहीं देखी होगी और मैं बेहद उत्सुक हूं। फिलहाल इस फिल्म के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं दी गई है। बॉलीवुड के सूत्रों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट को 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' नाम के प्रोडक्शन हाउस का साथ मिला है।

तेलंगाना में महिला ने रेलवे ट्रैक पर ही दौड़ा दी कार

कई पुलिस और रेल कर्मचारियों ने मिलकर रोका

हैदराबाद / एजेंसी।

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में एक 34 साल की महिला ने अपनी कार को रेलवे ट्रैक पर दौड़ा दिया। इसके चलते वहां मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

10-15 ट्रेनें रोकी या डायवर्ट करनी पड़ीं। शंकरपल्ली के पास हुई इस घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। 13 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि महिला किआ सोनेट कार को रेलवे ट्रैक पर चला रही है। दूसरे वीडियो में स्थानीय लोग, रेलवे कर्मचारी और पुलिस मिलकर महिला को कार से बाहर निकालने की कोशिश करते दिखते हैं। भीड़ उसे कार से

बाहर निकालने के बाद उसके हाथ बांध देती है। घटना को लेकर जांच जारी है, महिला की मानसिक स्थिति कैसी थी। कई रेलवे कर्मी और पुलिसकर्मी उस कार के पीछे दौड़े। बड़ी मुश्किल से वे उसे कार रोकने में कामयाब हो पाए। महिला को कार से बाहर निकालने के लिए करीब 20 लोगों की मदद लेनी पड़ी।

तेजस्वी के कार्यक्रम में भीड़ बेकाबू, गेट के शीशे टूटे

तेजस्वी ने चौधरी पर कसा तंज, कहा–मंत्री जी लेक्चरर हो गए

पटना / एजेंसी।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गुरुवार को पटना के बापू सभागार में आयोजित छात्र-संवाद संसद कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद तेजस्वी के साथ सेल्फी लेने के लिए युवाओं की भीड़ जुट गई। भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि बापू सभागार के गेट का शीशा टूट गया। एंट्री गेट पूरी तरह से टूटकर चकनाचूर हो गया। मौके पर हंगामा मच गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने युवाओं से पूछा, सरकार बदलना है न। मंच से मैं संदेश देना चाहता हूं कि हमारा

विजन क्या है। हम सरकार नहीं बिहार बदलने का काम कर रहे हैं। बिहार की राजनीति को अब बिहार के युवा बदलने का काम करेंगे। आपलोग एकजुट होइए...सरकार बदलिए।

तेजस्वी यादव ने अशोक चौधरी पर तंज कसते हुए कहा, मंत्री जी अब लेक्चरर हो गए हैं, दामाद को आयोग में सेट कर दिया है। नीतीश जी को जब पेंशन से टेंशन हो गई तब उनको बढ़ा दिया। सबसे पहले इसकी आवाज हमने उठाइए थी। आपलोग इनको 20 साल दिए, हमको बस 20 महीना दे दीजिए।

सीएम की नकल भी की

कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी ने सीएम नीतीश कुमार की नकल की। कहा नीतीश जी ने कैबिनेट में घोषणा की है, पंचायत प्रतिनिधि को आर्म्स देंगे। हम कलम बांट रहे, वो बंदूक बांटने का काम कर रहे हैं। तेजस्वी ने सीएम नीतीश की नकल करते हुए कहा कि आपलोग तो सब जानबे करते हैं न। धरती अब बचेगा जी, इन सब से कुछ होगा जी। उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार आने के बाद वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी का निर्माण करेंगे, जहां बिहार के बाहर के लोग बिहार पढ़ने आएं। 2 हजार एकड़ में एजुकेशनल सिटी बनेगी।

बिहार का युवा नौकरी चाहता है...सरकार की नौटंकी नहीं : तेजस्वी ने कहा %आपलोग हमको और लालू जी को देते रहिए गाली, जितना गाली देंगे उतना हमें समर्थन मिलेगा। हम सरकार से कहना चाहते हैं। बिहार का युवा नौकरी चाहता है, सरकार की नौटंकी नहीं। हम चाहते हैं, बिहार में रोजगार मिले, युवाओं को नौकरी मिले, फैक्ट्री लगेज फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगे। नीतीश कुमार जी अचेत अवस्था में है। नीतीश जी को क्या किसी भी पीड़ित परिवार से मिलते हुए देखा है।

आज का इतिहास

- **1693:** लंदन में महिलाओं की पहली पत्रिका लेडीज मरकरी का प्रकाशन शुरू हुआ।
- **1838 :** बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म हुआ था, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ही राष्ट्रगीत के रचयिता हैं।
- **1867:** बैंक ऑफ कैलिफार्निया का संचालन शुरू।
- **1893:** पंजाब के महाराज रणजीत सिंह का निधन। महाराज रणजीत सिख साम्राज्य के संस्थापक थे।
- **1914:** अमेरिका ने इथियोपिया के साथ वाणिज्य संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
- **1940:** रोमानिया पर सोवियत सेना ने हमला किया।
- **1957:** ब्रिटेन की मेडिकल रिसर्च काउंसिल ने 25 वर्ष के रिसर्च के आधार पर एक रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि धूम्रपान के कारण फेफड़ों का कैंसर होने का खतरा रहता है।

खतरा सांस से जुड़ी कई नई बीमारियां बड़े पैमाने पर फैल सकती हैं, सावधानी जरूरी

चीन में वैज्ञानिकों को चमगादड़ों में मिले 20 नए वाइरस

बीजिंग / एजेंसी।

चीन के वैज्ञानिकों ने चमगादड़ों में 20 नए वायरस खोजे हैं, जिनमें से दो जानलेवा वायरस निपाह और हेंड्रा से बहुत मिलते-जुलते हैं। ये दोनों वायरस मनुष्यों के दिमाग में बहुत ज्यादा सूजन पैदा करते हैं और इसके साथ ही सांस से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बनते हैं। पीएलओएस पैथोजेन्स मैगजीन में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, चमगादड़ के पेशाब से इंसानों और जानवरों में बीमारी फैलने का खतरा हो सकता है।

युन्नान बैट स्टडी में क्या पाया गया: युन्नान इंस्टीट्यूट ऑफ एंडेमिक डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के रिसर्चर्स ने 2017 और 2021 के बीच इकट्ठा की गई 10 प्रजातियों की 142 चमगादड़ों की किडनी के सैंपल्स की जांच की। इस जांच में 22 वायरस पाए गए जिनमें से 20 ऐसे थे जिनके बारे में पहले किसी को कोई जानकारी नहीं थी। जिन दो वायरस मिलने से लोगों की चिंता बढ़ी वह युन्नान बैट हेनिपावायरस 1 और 2 थे, जो हेंड्रा और निपाह वायरस से काफी मिलते-जुलते हैं। ये दोनों ही वायरस इंसानों और जानवरों के लिए बहुत घातक साबित होते हैं।

चमगादड़ के पेशाब से फैल सकते हैं वायरस

वैज्ञानिकों ने स्टडी में पाया कि ये वायरस चमगादड़ के पेशाब से फैल सकते हैं और यही बात उन्हें चिंतित करती है। ये वायरस किडनी में पाए गए जो पेशाब बनाती है। ऐसे में उनका मानना है कि ये पेशाब के जरिए फैल सकता है। अगर चमगादड़ों के रहने की जगह के पास फल या पानी गंदा हो जाए तो उसके जरिए इंसानों या जानवरों में ये वायरस फैल सकता है।

क्या स्टडी में कुछ और पाया गया: वैज्ञानिकों को स्टडी के दौरान एक नया प्रोटोजोआ पैरासाइट्स (क्लोसिएला युन्नानेंसिस) और पहले कभी न देखा गया बैक्टीरिया मिला है जिसका नाम फ्लेवोबैक्टीरियम युन्नानेंसिस बताया जा रहा है।

क्या ये किसी महामारी का कारण बन सकता है: अभी फिलहाल तो किसी तरह की महामारी फैलने का कोई खतरा नहीं है, लेकिन वायरोलॉजिस्ट इस स्टडी के बाद से काफी परेशान हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये एक गंभीर अनुस्मारक है कि खतरनाक वायरस अभी भी नेचर में छिपे हुए हैं। चिंता की बात यह है कि इस बात पर आज से पहले कभी ध्यान नहीं दिया गया कि वायरस पेशाब से भी फैल सकता है। फिलहाल किसी बीमारी के फैलने का कोई सबूत नहीं है, लेकिन इंसानों में जानवरों से वायरस फैलने का खतरा अभी भी बना हुआ है।

स्पिलओवर ज्यादा क्यों हो रहे हैं: प्रकृति को नष्ट करके मनुष्य वहां पर अपने घर बना रहे हैं, जिसकी वजह से अब इंसानों और जंगली जानवरों का आपस में सामना ज्यादा होने लगा है। इसका एक बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन भी है।

फैलने से ऐसे रोकें

एक्सपर्ट्स ने इसे फैलने से रोकने के लिए कुछ आसान तरीके बताए हैं, जिन्हें फॉलो किया जा सकता है।

- वैज्ञानिकों को चमगादड़ के सभी अंगों की और बारीकी से जांच करनी होगी। विशेष रूप से उनकी किडनी की।
- लोकल पब्लिक हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को इंप्रूव करें।
- लोगों को फलों को खाने से पहले धोने या ढकने और पानी उबालने के लिए जागरुक करें।
- देश में महामारी फैलने से बचाने के लिए जंगली जानवरों पर नजर रखना जरूरी है।

यात्रा की तैयारियां परखने सुरक्षा बलों ने की मॉक ड्रिल

श्रीनगर / एजेंसी।

3 जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा की तैयारी के लिए बुधवार को बालटाल बेस कैंप में सुरक्षा बलों ने मॉक ड्रिल की। जिसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ 49 बटालियन सीआरपीएफ, सेना, स्वास्थ्य विभाग और फायर ब्रिगेड समेत कई एजेंसियों ने हिस्सा लिया। ये सभी संभावित आतंकी हमलों, प्राकृतिक आपदाओं के आने पर तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने की तैयारियों की जांच कर रहे थे। इधर, इस साल अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रा रूट के जंगलों में बने ढोक (झोपड़ियों) की प्रोफाइलिंग व जियो टैगिंग शुरू की है। वन विभाग पुलिस वैरिफिकेशन के बिना यात्रा रूट पर अब किसी ढोक को बनाने की परमिशन नहीं देगा। संदिग्ध ढोकों पर यूएवी सर्विलांस, मोबाइल जैमर तथा एआई-सक्षम ट्रैकिंग लागू की जा रही है। गौरतलब है कि अमरनाथ यात्रा में 3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी।

इस बार हो रहे विशेष इंतजाम

दोनों रूट पर फेस रिकगनिशन सिस्टम (एफआरएस) लगाया गया है। यह सिस्टम ब्लैक लिस्टेड लोगों और घाटी में एक्टिव आतंकियों के कैमरे में आते ही सुरक्षा बलों को अलर्ट करेगा। आतंकियों और संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर्स की तस्वीरें इस सिस्टम में अपलोड की गई हैं। काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जा रहे हैं, जिसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा प्रदान करेगी।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा भारत

14 वर्षों में वैश्विक आयात पर निर्भरता 11 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत हुई

नईदिल्ली, एजेंसी। पारंपरिक रूप से रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी खरीद पर निर्भर रहने वाले भारत ने पिछले 14 वर्षों में रक्षा आयात पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है। यह देश की रक्षा रणनीति और नीति में एक बड़ा बदलाव है। कोटक म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2010 में रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक था लेकिन इस मामले में 2024 में यह चौथे स्थान पर खिसक गया। 2010 में, भारत दुनिया के कुल रक्षा आयात का 11 प्रतिशत हिस्सा लिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष आयातक बन गया था। 9 प्रतिशत के साथ पाकिस्तान, 6 प्रतिशत पर ऑस्ट्रेलिया और 5 प्रतिशत के साथ दक्षिण कोरिया भी इस सूची में शामिल रहे।

सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर और चीन जैसे देशों में प्रत्येक की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत थी, जबकि अल्जीरिया और पुर्तगाल प्रत्येक की 3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, यूक्रेन रक्षा उपकरणों का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बन गया है। इसकी वैश्विक आयात में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तीव्र वृद्धि का कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है, यूक्रेन की सैन्य उपकरणों की मांग को बड़े पैमाने पर बढ़ा दिया है।

पोलैंड वैश्विक रक्षा आयात में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में उभरा है। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका 4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत अब कतर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ चौथे स्थान पर है, जिनमें से प्रत्येक की वैश्विक आयात में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जापान और पाकिस्तान जैसे अन्य देश वैश्विक आयात में 3 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। अन्य श्रेणी, जिसमें सभी शेष राष्ट्र शामिल हैं, 2010 और 2024 दोनों में उनकी 47 प्रतिशत हिस्सेदारी रही और उनका स्थान अपरिवर्तित रहा। रिपोर्ट के अनुसार भारत की रक्षा निर्माण क्षेत्र में प्रगति हुई है और विदेशी हथियारों पर निर्भरता भी घट गई है।

कोटक की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि घरेलू रक्षा उत्पादन के लिए सरकार के जोर ने आयात को कम करने और रक्षा निर्यात में सुधार करने में मदद की है। हाल के वर्षों में भारत के रक्षा निर्यात में मजबूत वृद्धि देखी गई है, जो 2017 से 41 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज कर रहा है। निर्यात 2017 में 15 बिलियन रुपये से बढ़कर 2024 में 236 बिलियन रुपये हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत रक्षा क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भर बन रहा है।

ज़ी एंटरटेनमेंट के निवेशकों को भाया 5 के लिए प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। जी मीडिया वालों की कंपनी ज़ी एंटरटेनमेंटका शेयर आज 9 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 146 रुपये के पार पहुंच गया। वजह ये है कि कंपनी ने निवेशकों के सामने इस साल के लिए बड़े-बड़े प्लान्स रखे हैं। द्दद्द का डिजिटल प्लेटफॉर्म द्दद्द5 या 5 पिछले साल 548 करोड़ के घाटे में चल रहा था। अब कंपनी का दावा है कि इसी साल द्दद्द5 घाटा कमाकर ब्रेक-ईवन पर आ जाएगा यानी ना फायदा, ना नुकसान। पिछले साल उनका टीवी चैनलों पर दर्शकों का हिस्सा (व्यूअरशिप शेयर) 16.8 प्रतिशत था। इस साल वो इसे बढ़ाकर 17.5 प्रतिशत करने की फिराक में हैं।

ऐड से कमाई बढ़ेगी- पिछले साल तो ऐडवर्टाइजिंग से होने वाली आमदनी में 11 प्रतिशत की गिरावट आई थी। लेकिन इस साल कंपनी को उम्मीद है कि ऐड रेवेन्यू 8 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक बढ़ेगा।

मुनाफे में उछाल- कंपनी का मार्जिन (लाभ का

स्तर) पिछले साल सिर्फ 14.6 प्रतिशत था। इस साल वो इसे काफी बेहतर करके 18 प्रतिशत से 20 प्रतिशत के बीच ले जाना चाहती है।

म्यूजिक बिजनेस से पैसा कमाएंगे- द्दद्द अपने म्यूजिक और सिन्डिकेशन (कंटेंट बेचने) के बिजनेस से भी ज्यादा पैसा कमाने की तैयारी में है। उनका कहना है कि इनसे भी कंपनी की कीमत बढ़ेगी (अनलॉक वैल्यू)।

कैश की तैयारी- कंपनी ने मार्च 2025 तक अपने पास लगभग 2,406 करोड़ नकदी जमा कर ली है। साथ ही, उन्होंने 2,237 करोड़ के और वारंट्स (फुली कन्वर्टिबल वारंट्स) जारी करने की भी मंजूरी ले ली है। ये सब पैसा उन्हें मार्केट में मुकाबला करने और नए मौकों के लिए तैयार रहने में मदद करेगा। डिजिटल, म्यूजिक जैसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में दूसरी कंपनियों को खरीदने (अक्वायर) या उनके साथ मिलकर काम करने की योजना।

शेयर प्राइस ट्रेंड

इन सभी खबरों से निवेशक खुश हुए और द्दद्द का शेयर आज सुबह 144.6 के भाव पर 8.7 प्रतिशत चढ़ गया। जून महीने में अब तक ये शेयर 10 प्रतिशत बढ़ चुका है और लगातार चौथे महीने ऊपर जा रहा है। इतने लंबे समय तक लगातार बढ़ोतरी का ये सिलसिला नवंबर 2022 के बाद से नहीं देखा गया था।

अमेजन की इस नई सर्विस की वजह से डॉ लाल पैथ सहित 2 कंपनियों के शेयर लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। डॉ लाल पैथलैब्स लिमिटेड और मेट्रोपॉलिस हेल्थकेयर लिमिटेड के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। सोमवार को यह स्टॉक 3 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। इस गिरावट के पीछे की वजह अमेजन है। कंपनी ने होम लैब टेस्टिंग सर्विस की शुरुआत देश में की है।

6 शहरों में अमजेन की सर्विस- कंपनी ने इस नई सर्विस का नाम अमेजन डायग्नोस्टिक्स रखा है। मौजूदा समय में यह सर्विस बेंगलुरू, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, मुंबई और हैदराबाद में उपलब्ध है। जोकि 450 पिनकोड्स को कवर करता है। इस सर्विस के जरिए करीब 1000 मेडिकल टेस्ट करवाए जा सकते हैं। बता दें, अमेजन की यह सर्विस ऑरेंज हेल्थ लैब्स के साथ कोलेबरेशन में शुरू किया गया है। अमेजन की यह सर्विस डॉ लाल पैथलैब्स, मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर और विजया डायग्नोस्टिक जैसे इस सेक्टर मजबूत प्लेयर्स के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी।

कैसे लोग कर पाएंगे उपयोग- कोई भी व्यक्ति अमेजन ऐप के जरिए टेस्ट की बुकिंग कर सकता है। घर के लिए शेड्यूल कर सकता है। सैंपल कलेक्शन के बाद रिपोर्ट सीधा ऐप पर आ जाएगा। यानी घर बैठे ही यह सर्विस मिल जाएगी। इसी के साथ ही अमेजन की डायग्नोस्टिक स्पेस में हो गया है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों का बुरा हाल, 6 प्रतिशत लुढ़का भाव, धड़ाधड़ हो रही बिक्री

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार के बिगड़े हालात में मोबिलिटी लिमिटेड का शेयर 6 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया है। कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 52 वीक लो लेवल पर पहुंच गया। आज यानी 23 जून को 2.41 करोड़ शेयर जो कि कंपनी के 0.55 प्रतिशत के बराबार हैं उनकी खरीद और बिक्री हुई है। बता दें, इन शेयरों की खरीद और बिक्री औसतन 44 रुपये प्रति शेयर पर हुई है। अभी खरीदार और विक्रेता का नाम सामने नहीं आया है। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के शेयर बीएसई में गिरावट के साथ 45.37 रुपये के लेवल पर खुले थे। इसके बाद दिन में यह स्टॉक 6 प्रतिशत की गिरावट के बाद 43.20 रुपये के लेवल तक लुढ़क गया था। कंपनी का यह स्टॉक 52 वीक लो लेवल पर पहुंच गया। बता दें, इस साल कंपनी के शेयरों की कीमतों में 49 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इससे पहले चुका है एक ब्लॉक डील- जून के शुरुआत में 14.22 करोड़ शेयरों की खरीद और बिक्री हुई थी। जोकि कंपनी के 3.23 प्रतिशत हिस्से के बराबर है। यह ब्लॉक डील 731 करोड़ रुपये की थी। तब यह ब्लॉक डील 51.40 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से हुआ था

आर्थिक मोर्चे पर बड़ा झटका

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है। मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का घाटा बढ़ गया है। सालाना आधार पर कंपनी का रेवन्यू 62 प्रतिशत कम हो चुका है।

पिछले साल अगस्त में आया था आईपीओ- ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का आईपीओ बीते साल 2 अगस्त को खुला था। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 76 रुपये था। यानी मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से काफी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। बता दें, कंपनी ने आईपीओ के वक्त अपने कर्मचारियों को 7 रुपये प्रति शेयर की छूट दी थी।

ईरान-इजरायल युद्ध ने बढ़ाया क्रूड ऑयल का रेट, सातवें आसमान पर भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिका का इस युद्ध में कूदने के बाद कच्चे तेल का भाव सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। सोमवार को तेल का भाव जनवरी के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स का दाम 1.91 डॉलर या फिर 2.49

प्रतिशत की उछाल के बाद 78.93 डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडियट क्रूड का रेट 1.89 डॉलर या 2.56 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद रेट 75.73 डॉलर पर पहुंच गया। बता दें, इससे पहले दोनों की कीमतों में 3 प्रतिशत का उछाल आज देखने को मिला था। जिसकी वजह से भाव 81.40 डॉलर और 78.40 डॉलर क्रमशः पहुंच गया। जोकि 5 महीने का उच्चतम स्तर है। ईरान ओपेक का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादक देश है।

अमेरिका भी जंग में कूदा- ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका भी एंट्री ले चुका है। इजरायल का पक्ष लेते हुए ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर अमेरिका ने कई बड़े हमले किए हैं। जिसके बाद से इस युद्ध के और आगे बढ़ने की संभावना को जताया जा रहा है।

- **होर्मुज स्ट्रेट बंद कर सकता है ईरान-** अमेरिका के इस युद्ध में हिस्सा लेने के बाद अब लोगों को डर सता रहा है कि कहीं ईरान होर्मुज स्ट्रेट को बंद ना कर दे। अगर ऐसा हुआ तो दुनिया भर में तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी। दुनियाभर में सप्लाई किए जाने वाले क्रूड ऑयल का 5वां हिस्सा इसी होर्मुज स्ट्रेट से जाता है। यह रास्ता काफी संकरा है। बता दें, ईरान प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार देश की पार्लियामेंट ने इस रास्ते को बंद करने पर सहमति जताई है। इससे पहले भी ईरान से रास्ते को बंद करने को लेकर धमकी दे चुका है। लेकिन कभी ऐसा नहीं किया है।
- **110 डॉलर तक जा सकता है भाव-** रविवार को ब्रोकरेज हाउस ने उम्मीद जताई की तेल का भाव आने वाले समय में 110 डॉलर प्रति बैरल जा सकता है। हालांकि, ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि ऑयल, गैस की सप्लाई बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं होगी।

अवंटेल लिमिटेड को डीआरडीओ और मझगांव डॉक से मिले 2 बड़े ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोमवार को जब मार्केट में गिरावट दर्ज की जा रही है इसके बावजूद अवंटेल लिमिटेड के शेयरों 7 प्रतिशत से अधिक की उछाल है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि कंपनी ने डीआरडीओ और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड से मिले दो नए ऑर्डरों की जानकारी दी, जिनका कुल मूल्य 24.73 करोड़ है। इससे निवेशक गदगद हैं और शेयर पर अपना दांव लगा रहे हैं। सुबह के कारोबार में बीएसई पर अवंटेल का शेयर 168.35 प्रति शेयर तक पहुंच गया, जो 7.15 प्रतिशत की उछाल थी और इस साल 5 जून के बाद से सबसे तेज एक दिन में बढ़त थी। बाद में शेयर थोड़ा नीचे आकर 165.25 पर ट्रेड कर रहा था, फिर भी 6.61 प्रतिशत की बढ़त बरकरार थी। यह लगातार तीसरा दिन था, जब अवंटेल का शेयर ऊपर चढ़ा। इस साल अब तक यह शेयर 13 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि निफ्टी 50 की बढ़त सिर्फ 5.2 प्रतिशत ही रही। कंपनी का कुल मार्केट कैप अब 4,390.42 करोड़ हो गया है।

ऑर्डर की डिटेल

1. डीआरडीओ से मिला पहला ऑर्डरः बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक रक्षा अनुसंधान संगठन की यूनिट डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन्स लेबोरेटरी ने 20 जून, 2025 को अवंटेल को 13.67 करोड़ का ऑर्डर दिया है। इसमें सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो विकसित करना शामिल है। यह काम अगस्त 2027 तक पूरा करना है और इस पर 3 प्रतिशत परफॉर्मेंस बैंक गारंटी लगी है।
2. मझगांव डॉक से दूसरा ऑर्डर- वहीं 20 जून को ही, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने भी अवंटेल को 11.06 करोड़ का दूसरा ऑर्डर दिया। यह एक निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) से जुड़ा ऑर्डर है, जिसे अप्रैल 2026 से अगस्त 2029 के बीच पूरा किया जाना है। इस पर 5 प्रतिशत परफॉर्मेंस बैंक गारंटी है।

हाल की एक और अहम खबर

इसी महीने की शुरुआत में, अवंटेल की सहायक कंपनी आईमेड्स ग्लोबल ने आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन, विशाखापट्टनम में मेडिकल प्रोडक्ट्स के डिजाइन, विकास और निर्माण की एक नई सुविधा शुरू की है। यह फैक्ट्री लगभग 2 एकड़ जमीन पर बनी है और इसमें 25,000 वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र है। इसमें मेडिकल उत्पाद बनाने के लिए क्लीन रूम, असेंबली और टेस्टिंग की उन्नत व्यवस्था है।

क्या करती है अवंटेल

अवंटेल एक तकनीक-केंद्रित सार्वजनिक कंपनी है जो रक्षा और दूरसंचार ग्रेड के कम्युनिकेशन सिस्टम के डिजाइन और निर्माण में माहिर है। यह अपने ग्राहकों को उनकी जरूरत के मुताबिक नेटवर्क-केंद्रित वायरलेस और सैटेलाइट कम्युनिकेशन सॉल्यूशन प्रदान करती है। इनमें सैन्य मानकों के उत्पाद, डिजिटल माइक्रोवेव सिस्टम, सिग्नल प्रोसेसिंग यूनिट और एम्बेडेड फर्मवेयर/सॉफ्टवेयर शामिल हैं।

नवरत्न स्टॉक ने किया मालामाल, बोनस शेयरों के दम पर 1 लाख रुपये के बना दिए 1 करोड़ रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सोमवार 23 जून को तेजी के साथ 416.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 4 महीने में नवरत्न कंपनी के शेयरों में 62 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शेयरों ने पिछले 10 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। कंपनी के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयरों के दम पर दिखाया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले 10 साल में अपने शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर बांटे हैं। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले 10 साल में निवेशकों को 3 बार बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने सितंबर 2015 में 2=1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 2 बोनस शेयर बांटे। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने सितंबर 2017 में 1=10 के रेशियो में बोनस शेयर दिया। यानी, कंपनी ने हर 10 शेयर पर शेयरधारकों को 1 बोनस शेयर दिया। कंपनी ने सितंबर 2022 में निवेशकों को 2=1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

1 लाख रुपये के ऐसे बना दिए 1 करोड़ रुपये से ज्यादा- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 12 जून 2015 को 32.86 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 12 जून 2015 को 1 लाख रुपये से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर खरीदे होते तो उसे कंपनी के 3040 शेयर मिलते। नवरत्न कंपनी ने सितंबर 2015 से लेकर अब तक शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर दिए हैं। अगर कंपनी की तरफ से दिए गए बोनस शेयरों को जोड़ लें तो कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 30,096 पहुंच जाती है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर सोमवार 23 जून 2025 को 416.95 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में 30096 शेयरों की मौजूदा वैल्यू बढ़कर 1.25 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

नवरत्न कंपनी को मिले 585 करोड़ रुपये के ऑर्डर- नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसे 585 करोड़ रुपये के फ्रेश ऑर्डर मिले हैं। कंपनी को यह ऑर्डर मिसाइल्स के लिए फायर कंट्रोल और साइटिंग सिस्टम्स, कम्युनिकेशन उपकरणों, जैमर्स, क्रिटिकल स्पेयर्स और एसोसिएटेड सर्विसेज के लिए मिले हैं।

पीएम जीवन ज्योति बीमा: 18.5 करोड़ से अधिक भारतीयों को मिली बीमा की ताकत, संभावित शोषण से मिली जरूरी सुरक्षा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के जरिये 10 वर्षों में भारतीयों की महत्वाकांक्षाओं को भारी प्रोत्साहन मिला है।एक दशक पहले इस दूरदर्शी योजना को हर भारतीय के लिए जीवन बीमा को सुलभ, किफायती और समावेशी बनाने के एक सरल एवं शक्तिशाली मिशन के साथ लॉन्च किया गया था। आज, हम न सिर्फ उस नीति को देखते हैं, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है, बल्कि एक ऐसे मूवमेंट को भी देखते हैं, जिसने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया है।

वित्तीय सुरक्षा नेट के रूप में शुरू हुई यह योजना गरिमा, साहस और आशा की नींव बन गई है। इन 10 वर्षों में पीएमजेजेबीवाई ने 18.5 करोड़ से अधिक भारतीयों को बीमा की सुरक्षा और ताकत दी। योजना के माध्यम से 17,200 करोड़ रुपये से अधिक के दावों का निपटान किया गया है। इसने परिवारों को उस समय राहत पहुंचाई, जब वे अपने सबसे बुरे दौर में थे। सिर्फ 436 रुपये प्रति वर्ष में यह योजना 2 लाख रुपये का जीवन बीमा प्रदान करती है। यह ऐसी जीवन रेखा है, जिसने अनगिनत परिवारों को सहूलियत और निरंतरता प्रदान की है।

परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ बड़े सपने देखने की उम्मीदों को लगे पंख

जब लोगों को पता चलता है कि उनके परिवार सुरक्षित हैं, तो वे कर्ज लेने, छोटा व्यवसाय शुरू करने, बच्चे को शिक्षित करने या अवसर की तलाश में नए शहर में जाने जैसे बड़े सपने देखने के लिए सशक्त होते हैं। यही वित्तीय सुरक्षा का असली उपहार है, जो यह न सिर्फ जीवन की रक्षा करता है, बल्कि संभावनाओं को भी बढ़ाता है।

भारत में एक बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां बीमा आजीविका की सुरक्षा और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक निश्चित आय के स्तरों में अनिश्चितता, असंगठित क्षेत्र में रोजगार, स्वास्थ्य जांच की सुविधा आदि कुछ ऐसे कारण थे, जिनकी वजह से इन क्षेत्रों में बीमा जागरूकता सीमित थी। योजना की खासियत है कि यह सरल, निर्बाध और सुलभ है। बचत खाते से जुड़ी ऑटो-डेबिट सुविधा और न्यूनतम दस्तावेजों के साथ योजना ने उन बाधाओं को दूर कर दिया है, जो पारंपरिक रूप से बीमा को लाखों लोगों की पहुंच से दूर रखती थी।

2.50 लाख से ज्यादा पंचायतों के सदस्य जुड़े बदल रहा ग्रामीण भारत में बीमा का परिदृश्य- बेहद प्रभावशाली पीएमजेजेबीवाई के जरिये देश के हर कोने में जागरूकता काफी बढ़ गई है। आज, इस

महिलाओं के बीमा कवरेज में सुधार

इस योजना के कारण एक और बड़ा बदलाव यह हुआ है कि महिलाओं के जीवन बीमा कवरेज में सुधार हुआ है। इस योजना ने ग्रामीण भारत की बढ़ती मांगों और महिला आबादी के कवरेज की जरूरतों को पूरा किया है। देश की आर्थिक गतिविधियों में उनका योगदान महत्वपूर्ण है और हर साल बढ़ रहा है। इस योजना ने वित्तीय समावेशन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संभावित शोषण से मिली जरूरी सुरक्षा

अमित झिंगरन बताते हैं, बैंक के सर्किल हेड के रूप में मैंने ग्रामीणों के बीच बैंकिंग और वित्तीय उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संध्या शिविर नामक ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया था। शिविरों में, मैंने उन परिवारों की दुर्दशा देखी, जिन्होंने एकमात्र कमाने वाले को खो दिया।

संक्षिप्त

सूर्यकुमार का जर्मनी में खेल हर्निया का सफल आपरेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का जर्मनी के म्युनिख में पेट के दायें ओर खेल हर्निया का सफल आपरेशन हुआ। 34 वर्ष के सूर्यकुमार ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर लिखा, ''लाइफ अपडेट : पेट के निचले दायें ओर खेल हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल आपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं। खेल हर्निया कमर या पेट के निचले हिस्से में नरम ऊतकों की चोट है जिसमें अक्सर मांसपेशियां, कंडराएं या स्नायुबंधन शामिल होते हैं। जर्मनी में सर्जरी के बाद सूर्यकुमार बेंगलुरू में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र पर रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। भारत को अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। सूर्यकुमार ने 2023 विश्व कप फाइनल के बाद से 50 ओवरों के प्रारूप में नहीं खेला है।

बोटाफोगो के अनुभवी डिफेंडर बास्टोस फीफा क्लब वर्ल्ड कप से बाहर

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अनुभवी डिफेंडर बास्टोस को घुटने की पुरानी चोट दोबारा उभरने के कारण बोटाफोगो की फीफा क्लब वर्ल्ड कप टीम से बाहर कर दिया गया है। ब्राज़ीलियन क्लब ने बुधवार को यह जानकारी दी। 34 वर्षीय अंगोला अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बास्टोस ने सोमवार को एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ 1-0 से मिली हार में बतौर अनयूज़्ड सब्स्टीट्यूट टीम में जगह बनाई थी। वह फरवरी से चोट के कारण बाहर थे, लेकिन हाल ही में फिट होकर टीम में लौटे थे। हालांकि मैच के बाद उन्होंने घुटने में फिर से तकलीफ की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए ब्राज़ील भेजा जा रहा है।

अब शिक्षा के मैदान पर नयी पारी की शुरुआत करेंगे रिंकू सिंह

लखनऊ, एजेंसी। टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह जल्द ही शिक्षा के क्षेत्र में अपनी नयी पारी की शुरुआत कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नीति के तहत खेल विभाग ने रिंकू की बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) के पद पर नियुक्ति का प्रस्ताव शासन को भेजा है जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद जतायी जा रही है। यूं तो रिंकू ने नौवीं कक्षा तक पढाई की है मगर उन्हे पद के लिये न्यूनतम योग्यता पूरी करने के लिये पर्याप्त समय दिया जा सकता है। इस संबंध में बेसिक शिक्षा निदेशालय ने पत्र जारी कर रिंकू सिंह से शैक्षणिक दस्तावेज और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने को कहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो साल पहले अपनी धुआंधार पारी के बाद चर्चा में आये अलीगढ़ के 28 वर्षीय रिंकू सिंह ने 2023 में आयरलैंड के खिलाफ टी20 मैच में भारत के लिये पदार्पण किया था।

दूसरे टेस्ट से पहले आर्चर घरेलू मैच खेलें तो बेहतर: वॉन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने से पहले लाल गेंद से एक और घरेलू मैच खेलने की सलाह दी है। तेज गेंदबाज आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। आर्चर रविवार से काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम से खेलेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, आर्चर काउंटी मैच में फिट रहे तो दूसरे टेस्ट में उन्हें खिलाया जा सकता है। दूसरा टेस्ट दो जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भी भारत-इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले बयान दिया था कि 30 साल के आर्चर फिर से टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताब हैं। आर्चर चार साल से टेस्ट टीम से बाहर हैं।

ब्रिजटाउन टेस्ट: पहले दिन गिरे 14 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर

ब्रिजटाउन टेस्ट

- शामार जोसेफ और सील्स की घातक गेंदबाज़ी
- वेस्टइंडीज की शुरुआत भी लड़खड़ाई

ब्रिजटाउन, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट के पहले दिन गुरुवार (भारतीय समयानुसार) को ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 180 रनों पर समेट दिया, लेकिन केंसिंग्टन ओवल की पिच की चुनौती का अंदाजा उसे तब हुआ जब दिन के अंत तक उसने खुद 4 विकेट गंवा दिए। स्टंप्स तक वेस्टइंडीज का स्कोर 57/4 रहा, जहां डेब्यू कर रहे ब्रैंडन किंग 23 रन बनाकर नाबाद हैं। हालांकि किंग के लिए दिन मिश्रित रहा, क्योंकि उन्होंने फील्डिंग में तीन कैच छोड़े, लेकिन अंत में बल्लेबाजी में संभलने की कोशिश की।

वेस्टइंडीज के लिए सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ शामार जोसेफ रहे, जिन्होंने 46 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं जयडेन सील्स ने 60 रन देकर 5 विकेट लिए, जो कि उनके टेस्ट करियर का तीसरा पांच विकेट हॉल रहा। दिलचस्प बात यह है कि उनके 34 टेस्ट विकेटों में से 17 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में महज़ 56.1 ओवर में सिमट गई-यह वेस्टइंडीज की ज़मीन पर ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर है जब उन्होंने पहले बल्लेबाज़ी की हो।

जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। मिचेल स्टार्क ने कप्तान क्रैग ब्रैथवेट (4) और जॉन कैंपबेल (7) को आउट किया। कमिंस ने कीसी कार्टी (20) को पवेलियन भेजा जबकि जोश हेज़लवुड ने नाइटवॉचमैन जोमेल वोरिकन को शून्य पर आउट कर दिया। इसके बाद कप्तान रोस्टन चेस और ब्रैंडन किंग ने अंतिम 3.1 ओवर बिना विकेट गंवाए खेल लिए। चेस 1 रन पर नाबाद हैं।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों का फ्लॉप शो

ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल तीन बल्लेबाज़ ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके-ट्रैविस हेड (59), उस्मान ख्वाजा (47) और कप्तान पैट कमिंस (28)। पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन पिच पर तेज़ गेंदबाज़ों को जबरदस्त मदद मिली-सीम, स्विंग और कई बार गेंद नीची रही। दिन के कुल 14 विकेटों में से 10 विकेट कैच के जरिए गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने पहले घंटे में ही 3 विकेट गंवा दिए थे। मार्नस लाबुशेन की जगह उतरे सैम कॉन्स्टास सिर्फ 3 रन बनाकर जोसेफ की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। जोसेफ ने इसके बाद कैमरून ग्रीन को भी चलता किया, जिन्हें गली में किंग ने जीवनदान देने के बाद स्लिप में आउट कर दिया।

ख्वाजा और हेड की साझेदारी बनी सहारा

ख्वाजा और हेड ने मिलकर पारी को थोड़ा संभाला और लंच के बाद 89 रनों की साझेदारी की। हेड ने 57 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ख्वाजा 128 गेंदों पर 47 रन बनाकर आउट हुए। जोसेफ ने एक समय 12 ओवर में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को झकझोर दिया। चार साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे विकेटकीपर शाई होप ने चार कैच लपके। उन्होंने जोश इंग्लिस का कैच लेकर अपना खाता खोला।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

बर्लिन, एजेंसी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने यहां चल रहे चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरे स्थान के लिए ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया। रोहित ने 45वें मिनट में भारत के लिए बराबरी का गोल किया, जबकि अजीत यादव ने 52वें मिनट पर चौथे क्वार्टर में गोल करके जीत सुनिश्चित की। इससे पहले, कप्तान टोबी मैलन ने बुधवार को दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई थी।

पहले हाफ में दोनों टीं ने एक दूसरे पर हमले किये लेकिन शुरुआती दो क्वार्टर में कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो पाई। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर में गोल किया, जब टोबी मैलन ने 40वें मिनट में फील्ड गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया। भारत ने तेजी से जवाब दिया और पांच मिनट बाद ही बराबरी का गोल कर दिया। रोहित ने पेनल्टी कॉर्नर के बाद गोल करके बराबरी हासिल की। भारत ने अपनी लय को बनाए रखते हुए अंतिम क्वार्टर में जीत हासिल की। 52वें मिनट में अजीत यादव ने ओपन प्ले में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई और जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ ही चार देशों के टूर्नामेंट में भारत का अभियान समाप्त हो गया। पूल चरण में भारत ने मेजबान जर्मनी से 1-7 से हार के साथ शुरुआत की, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-1 की जोरदार जीत के साथ वापसी की और फिर स्पेन के खिलाफ 1-5 से हार का सामना किया।

जबरदस्त स्ट्राइक के साथ 80 विकेट! टेस्ट में जलवा बिखेर रहे जायडेन सील्स

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जायडेन सील्स ने शानदार गेंदबाजी की। बारबाडोस में जारी मुकाबले की पहली पारी में सील्स ने महज 15.5 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 60 रन देकर पांच शिकार किए। इस दौरान उनका एक ओवर मेडन भी रहा।

इसी के साथ जायडेन सील्स ने 19 टेस्ट की 35 पारियों में 37.90 की स्ट्राइक रेट के साथ 80 विकेट अपने नाम कर लिए। टेस्ट इतिहास में कम से कम 75 विकेट के साथ जायडेन सील्स से बेहतर स्ट्राइक रेट के मामले में सिर्फ जॉर्ज लोहमैन का ही नाम है।

जॉर्ज लोहमैन ने जुलाई 1886 से जून 1896 तक इंग्लैंड के लिए 18 टेस्ट खेले, जिसमें 34.1 की औसत के साथ 112 विकेट अपने नाम किए। लोहमैन एक ही टेस्ट पारी में नौ विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं।

टेस्ट क्रिकेट में कुलदीप यादव का स्ट्राइक रेट 37.37 है, जबकि जॉन फेरिस का स्ट्राइक रेट 37.73 का है, लेकिन इन गेंदबाजों ने टेस्ट क्रिकेट में क्रमशः 56 और 61 शिकार किए हैं।

वेस्टइंडीज-ऑस्ट्रेलिया के बीच बारबाडोस में खेले जा रहे इस मुकाबले की बात करें, तो ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में महज 56.5 ओवरों का ही सामना कर सकी। टीम महज 180 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया 22 रन तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से उस्मान ख्वाजा ने ट्रेविस हेड के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी की।

बर्मिंघम टेस्ट से पहले हर्षित राणा भारतीय टीम से बाहर

रिलीज

- भारतीय टीम दूसरे टेस्ट के लिए बर्मिंघम पहुंच चुकी
- हर्षित राणा को पहले टेस्ट से ठीक पहले भारतीय टीम में शामिल किया गया था

लीड्स, एजेंसी। तेज गेंदबाज हर्षित राणा इंग्लैंड दौरे पर अब भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। विश्वस्त सूत्रों ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि राणा को भारतीय टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह लीड्स से ही भारत लौटेंगे। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट के लिए बर्मिंघम पहुंच चुकी है।

हर्षित राणा को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट से ठीक पहले भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह लीड्स टेस्ट की अंतिम 11 में जगह नहीं बना सके थे। इंग्लैंड ने यह टेस्ट आखिरी दिन 371 रन के लक्ष्य पीछा कर पांच विकेट से जीता था।

मिली जानकारी के मुताबिक, भारतीय टीम के एक तेज गेंदबाज को परेशानी थी। ऐसे में प्रबंधन ऐसे तेज गेंदबाज को बैकअप के रूप में रखना चाहता था, जो बाउंसर का सही इस्तेमाल करता हो। राणा सही विकल्प थे और इसी वजह से उन्हें टीम से जोड़ा गया था। लेकिन, अब सब कुछ ठीक है। इसलिए राणा को अब रिलीज कर दिया गया है।

हर्षित राणा ने पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट डेब्यू किया था। वह दो टेस्ट खेले थे, जिसमें चार विकेट उनके नाम हैं। पर्थ में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3-48 रहा था। इंग्लैंड में, राणा को कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत 'ए' के लिए पहला मैच खेलने का मौका मिला। इस मैच में भी उनका प्रदर्शन साधारण रहा था। उन्होंने 99 रन देकर एक विकेट लिए थे। साधारण प्रदर्शन के बावजूद इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए हर्षित राणा को टीम में जगह देने की आलोचना भी हुई थी। क्रिकेट विशेषज्ञ अंशुल कंबोज को बेहतर विकल्प मान रहे थे, जो गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में बेहतरीन बल्लेबाजी भी करते हैं और भारत 'ए' की तरफ से उनका प्रदर्शन भी अच्छा रहा था।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-2027 की शुरुआत की है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर भारत की तरफ से पांच शतक लगे। इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से पिछड़ चुकी है। सीरीज में बने रहने के लिए बर्मिंघम में 2 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया को वापसी करनी होगी।

शिखर धवन बने लेखक, अपने संस्मरण लिखे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपने जीवन के संस्मरणों को कलमबद्ध किया है जिसमें रिश्तों से लेकर दोस्ती तक और मैदान के भीतर तथा बाहर के विवादों पर भी खुलकर बात की है।

धवन ने अपनी किताब 'द वन : क्रिकेट, माय लाइफ एंड मोर' के बारे में कहा, ''क्रिकेट ने मुझे जीने का मकसद दिया लेकिन इस सफर में उतार चढाव और खामोश पल भी रहे। इसने मुझे वह इंसान बनाया जो आज मैं हूं। मैं दिल से अपनी कहानी कह रहा हूं जो ईमानदार और किसी फिल्टर के बिना है।

प्रकाशक हार्पर कोलिंस इंडिया ने कहा, ''पूरी स्पष्टवादिता और ईमानदारी के साथ लिखी गई 'द वन' शिखर धवन के आंतरिक संवाद और उन सभी कमजोरियों की अभूतपूर्व झलक पेश करती है जिन्होंने उन्हें एक चैंपियन क्रिकेटर और संवेदनशील इंसान बनाया है।

कंपनी के प्रकाशक सचिन शर्मा ने कहा, ''शिखर धवन का मैदान के भीतर और बाहर जीवन शानदार रहा है। इस संस्मरण में शिखर ने अपने जीवन, रिश्तों और हर उस अनुभव के बारे में बात की है जिसका उन्होंने सामना किया और मजबूत होकर निकले हैं।"

दिल्ली में पले बढे धवन ने बतौर विकेटकीपर शुरूआत की थी लेकिन बाद में सलामी बल्लेबाज बने। भारत के लिये 34 टेस्ट में उन्होंने 2315 रन, 167 वनडे में 6793 रन और 68 टी20 मैचों में 1759 रन बनाये हैं।

उन्होंने किताब में लिखा, ''जब मैं भारतीय टीम में अपने की कोशिश कर रहा था तब सोशल मीडिया नया था और क्रिकेटरों पर इतनी नजर नहीं रखी जाती थी। लेकिन प्रिंट और प्रसारण मीडिया चरम पर था।" उन्होंने लिखा, ''टीम चयन और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर चर्चा होती थी और लोग पढते थे। आजकल की तरह नहीं जब सोशल मीडिया रातोरात क्रिकेटर को हीरो से जीरो बना देता है।

धवन ने महेंद्र सिंह धोनी से पहली मुलाकात के बारे में लिखा है, ''मैं उसे एक बॉलीवुड मूवी में देखना चाहता था। वह फिल्म स्टार की तरह दिखता था। लंबे बाल और आकर्षक मुस्कान। हम आपस में बात कर रहे थे और मैने उससे कहा कि मैं भारत के लिये खेलना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि तुम बॉलीवुड हीरो बनो। वह बहुत हंसने लगा।'

तेलंगाना में मुक्केबाजी टूर्नामेंट में लवलीना, निखत करेंगी शिरकत

तेलंगाना, एजेंसी। दो बार की विश्व चैंपियन निखत ज़रीन, ओलंपिक गेम्स टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो, 27 जून से एक जुलाई तक तेलंगाना के सरूरनगर इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट में राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली शीर्ष भारतीय महिला मुक्केबाजों में शामिल होंगी।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और तेलंगाना खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में तेलंगाना मुक्केबाजी महासंघ द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में 15 इकाइयों की मुक्केबाज़ भाग लेंगी, जिसमें आठवीं एलीट महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की शीर्ष 12 टीमें रेलवे, हरियाणा, अखिल भारतीय पुलिस, सेवाएँ, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और सिक्किम शामिल हैं।

इस प्रतियोगिता में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन, ओलंपियन प्रीति, विश्व युवा चैंपियन अरुंधति चौधरी और 100 से अधिक अन्य शीर्ष दावेदार शामिल हैं। मुक्केबाज दस भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक में स्वर्ण और रजत पदक विजेता को पटियाला में विशिष्ट राष्ट्रीय शिविर में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

सभी टीमें अधिकतम 10 मुक्केबाजों को मैदान में उतार सकती हैं, बशर्ते उनका जन्म 1 जनवरी 1985 और 31 दिसंबर 2006 के बीच हुआ हो।

रिकॉर्ड

पंत ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं

पंत बल्लेबाज के तौर पर खेल को नया रूप दे रहे हैं : ग्रेग चैपल

मुंबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज और भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल ने ऋषभ पंत के लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक के बाद कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज 'बल्लेबाज के तौर पर खेल को नया रूप दे रहा है'।

पंत ने पहले टेस्ट में 134 (178 गेंद, 12 चौके, छह छक्के) और 118 रन (140 गेंद, 15 चौके, तीन छक्के) की पारियां खेली और इस दौरान कुछ रिकॉर्ड भी बनाए। भारत ने हालांकि यह मैच पांच विकेट से गंवा दिया। चैपल ने कहा कि भारत के टेस्ट उप कप्तान पंत ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं।

चैपल ने बुधवार को एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा, "जब मैंने पहली बार उसे देखा तो उसने मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद दिला दीबेशक एक अलग तरह का खिलाड़ीजब एक विकेटकीपर उस स्तर पर बल्लेबाजी कर सकता है और तेजी से रन बना सकता है तो यह टीम के लिए कितना बड़ा अंतर पैदा कर सकता है।"

उन्होंने कहा, "खूबसूरती यह है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे।"

चैपल ने कहा, "वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहा है। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उसे देखना रोमांचक है।"

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि पंत क्रिकेट के मैदान पर क्या कर सकता है। उन्होंने कहा, "आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उससे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैप शॉट खेल सकता है।"

चैपल ने कहा, "आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता है (और उसने) उस मैच में लगभग अंतर पैदा कर दिया था।"

चैपल ने कहा कि शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट कप्तान के रूप में अच्छी शुरुआत की, भले ही पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट में परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा। उन्होंने कहा, "यह एक शानदार टेस्ट मैच था। दुख की बात है कि परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहा। उनके लिए बहुत सारी अच्छी चीजें थीं।"

चैपल ने कहा, "शुभमन गिल ने कप्तान और खिलाड़ी के रूप में शानदार शुरुआत की, भले ही उन्हें परिणाम नहीं मिला। अंतिम दिन की परिस्थितियां टेस्ट मैच के किसी भी अन्य चरण की तुलना में शायद बेहतर थीं। गिल और भारतीय थिंक टैंक दोनों ने आगे क्या करना है, इस बारे में बहुत कुछ सीखा होगा। गिल और बेहतर होते जाएंगे। मुझे लगता है कि उनकी शुरुआत बहुत अच्छी थी। अगर टीम ने अधिक कैच लिए होते और निचला क्रम थोड़ा बेहतर प्रदर्शन करता तो परिणाम बहुत अलग हो सकते थे।

बैडमिंटन एशियाई जूनियर चैम्पियनशिप के लिये 19 सदस्यीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभाशाली तन्वी शर्मा को 18 से 27 जुलाई तक इंडोनेशिया के सोलो में होने वाली बैडमिंटन एशियाई जूनियर चैम्पियनशिप (टीम और व्यक्तिगत) के लिये भारत की 19 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

तन्वी ने बैडमिंटन एशिया महिला टीम चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। जूनियर विश्व नंबर एक पुरूष युगल टीम भार्गव राम एरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू से भी भारत को उम्मीदें होंगी। टीम स्पर्धा 18 से 22 जुलाई तक होंगी जबकि व्यक्तिगत मुकाबले 23 से 27 जुलाई तक खेले जायेंगे। टीम स्पर्धा रिले प्रारूप में होगी जिसमें 110 अंक तक पहले पहुंचने वाली टीम विजयी होगी।

अर्जुन कपूर ने दिया पैगाम

अर्जुन कपूर ने योग दिवस के दिन एक योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर एक प्रोग्राम में हिस्सा लिया और योग की अहमियत के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि योग न सिर्फ जिस्म के लिए बल्कि दिमागी सेहत के लिए भी अच्छा है। उन्होंने योग दिवस मना कर गर्व महसूस किया।

● **जिस्मानी और दिमागी सेहत के लिए जरूरी है योग:** मीडिया से बात करते हुए अर्जुन कपूर ने कहा 'मैं सबके साथ इस दिन जश्न मनाकर अपने आपको भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। मेरे हिसाब से दिमागी और जिस्मानी दोनों तरह की सेहत बहुत जरूरी है। भारत को इस दिन को गर्व के साथ मनाना चाहिए। यह भारत से पूरी दुनिया में फैला है। मुझे एक भारतीय होने पर गर्व है। मुझे गर्व है कि मैं इस मुहिम का हिस्सा हूं।'

○ **योग करने की नहीं है कोई उम्र:** अर्जुन कपूर ने माना कि योग सबके लिए बहुत जरूरी है। कोई भी किसी भी बैकग्राउंड से आता हो वह योग कर सकता है। उन्होंने कहा 'योग करने की कोई उम्र नहीं है। आप इसे किसी भी उम्र में शुरू कर सकते हैं। मुझे लगता है कि यह जिस्मानी और दिमागी दोनों सेहत का मिश्रण है। यह कई तरह से आपको फायदा करता है चाहे वह आपका जिस्म हो या आपका दिमाग हो।'

● **पहले चलना शुरू करें फिर योग करें:** अर्जुन कपूर ने इस बात पर जोर दिया कि आप छोटी चीज से शुरूआत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'सबसे पहले चलने से शुरू करें। पहले 10 मिनट चलें। इसके बाद 20 मिनट चलें।

मोहनलाल ने कंफर्म की 'दृश्यम 3'

सा उथ सुपरस्टार मोहनलाल ने इस साल 'एल 2 एम्पुरान' और 'थुडारम' जैसी फिल्में दी हैं। अब मोहनलाल ने अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' की तीसरी कड़ी का भी एलान कर दिया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है।

● **मोहनलाल ने किया पोस्ट:** अभिनेता मोहनलाल ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो की शुरुआत ब्लैक एंड व्हाइट में मोहनलाल के इंटेंस लुक से होती है। जिसमें उनकी आंख पर केंद्रित किया गया है। इसके बाद स्क्रीन पर लिखकर आता है 'दृश्यम 3'। बाद में वीडियो में मोहनलाल फिल्म के निर्देशक जीतू जोसेफ और निर्माता एंटनी पेरुंबवूर के साथ गले मिलते और मुस्कुराते हुए नजर आते हैं। अंत में लिखकर आता है 'लाइट कैमरा अक्टूबर।' इस वीडियो को शेयर करते हुए मोहनलाल ने कैप्शन में लिखा, 'अक्टूबर 2025 - कैमरा वापस जॉर्जकुट्टी की ओर मुड़ता है।' जिससे स्पष्ट है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी।

शूटिंग

● **पहले दोनों पार्ट हुए हैं हिट:** दृश्यम एक सस्पेंस थ्रिलर मर्डर फिल्म है। जिसके दो पार्ट पहले ही आ चुके हैं। साल 2013 में मोहनलाल दृश्यम लेकर आए थे। इसके बाद 2021 में दृश्यम 2 रिलीज हुई थी। ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भी काफी सफल रही थीं और क्रिटिक्स ने भी इन फिल्मों को सराहा था। अब मोहनलाल फिल्म का तीसरा पार्ट 'दृश्यम 3' लेकर आ रहे हैं। दर्शकों में इस फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

'दृष्यम 3' का मोहनलाल ने आधिकारिक एलान कर दिया है

● **अजय देवगन भी कर चुके हैं 'दृश्यम 3' की घोषणा:** मोहनलाल की अब तक आईं दोनों ही दृश्यम का हिंदी में भी रीमेक बना है। जिनमें अजय देवगन और तब्बू प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। हिंदी में भी इन दोनों ही फिल्मों को काफी सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इन दोनों ही फिल्मों ने अच्छी कमाई की। अब मोहनलाल की ही तरह अजय देवगन भी 'दृश्यम 3' का एलान कर चुके हैं।

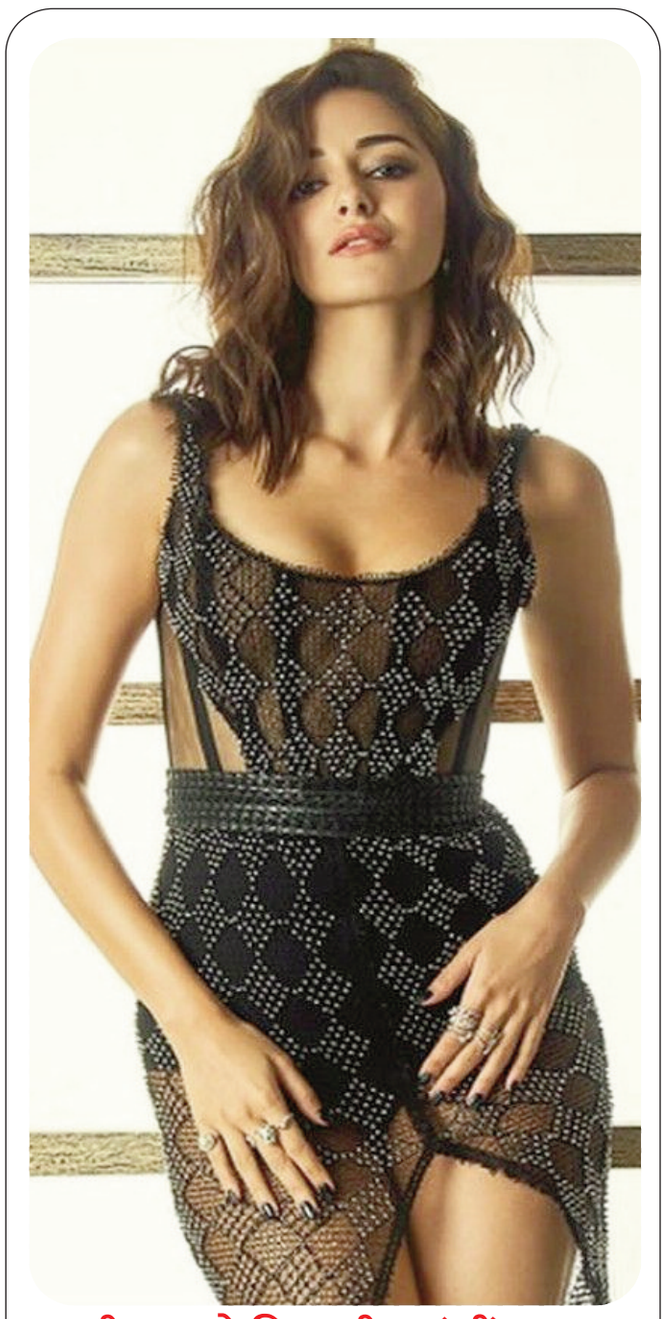

छुट्टी मनाने मियामी पहुंचीं अनन्या पांडे, दिखाईं खूबसूरत झलकियां

अभिनेत्रियां गर्मियों में छुट्टियां मनाने बाहर जाती हैं। वह वहां से अकसर अपनी खूबसूरत तस्वीरें भेजती हैं। ऐसे में बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस अनन्या पांडे भी अमेरिका के फ्लोरिडा में मौजूद मियामी पहुंची हैं। उन्होंने यहां से अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में उन्होंने मियामी की खूबसूरत झलकियां दिखाई हैं। हाल ही में अनन्या पांडे ने जो तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं उसमें वह खूब मजे करती हुई नजर आ रही हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि अनन्या खाने का मजा ले रही हैं। एक तस्वीर में वह अपनी दोस्त के साथ मजे कर रही हैं। तस्वीरों के साथ अनन्या पांडे ने एक वीडियो भी शेयर की है। वीडियो में मोर और खूबसूरत तोते नजर आ रहे हैं। अनन्या पांडे ने तस्वीरें शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा 'मियामी'। अनन्या पांडे की तस्वीरों पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं और इसे लाइक कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है 'मजे कीजिए, आप इसके लायक हैं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'बहुत अच्छी तस्वीरें हैं।'

माधुरी के शब्दों ने चलाया अंकिता लोखंडे पर जादू

एक्ट्रस अंकिता लोखंडे अपनी अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। यह उनका प्रोफेशन है। मगर, शौक भी बड़ी चीज है और बात अगर अंकिता के शौक की करें तो उनका मन डांस में रमता है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने डांस के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की है। साथ ही यह बताया कि इस मामले में माधुरी दीक्षित के शब्द उन पर जादू कर गए हैं। अंकिता लोखंडे ने शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक डांस वीडियो शेयर किया है। वे व्हाइट कलर के आउटफिट पहने 'मेरे नाम तू' गाने पर डांस करती दिख रही हैं। इसके साथ अंकिता लोखंडे ने लिखा है, 'जन्म से ही नृत्य मेरी भाषा रही है। ब्रह्मांड से मिला एक उपहार। इसे सीखा नहीं गया, बल्कि महसूस किया गया। यह मेरी हर भावना को व्यक्त करने का तरीका है'। अंकिता लोखंडे आगे लिखती हैं, 'जब से मैंने 'दिल तो पागल है' देखी, माधुरी (दीक्षित) मैम के शब्द मेरे अंदर बस गए हैं। 'माया सिर्फ अपने लिए नाचती है' और मैंने इसे अपने अंदर गहराई से महसूस किया है। डांस मेरा सच है, मेरा जादू है। मैं माया हूं। सिर्फ अपने लिए नाचती हूं और यही मेरी खुशी है'। उनके इस पोस्ट पर नेटिजन्स कमेंट कर उनके डांस की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'बहुत ही प्यारा और शानदार'। एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'लाजवाब परफॉर्मेंस'। एक यूजर ने लिखा है, 'डांस तो आप वाकई अच्छा कर लेते हो। आपने पहले किसी रील में या टीवी पर यह हुनर क्यों नहीं दिखाया'? अंकिता लोखंडे के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे संदीप सिंह के वेब शो 'आम्रपाली' में नजर आएंगी।

आमी डाकिनी' शो दर्शकों को सम्मोहित करने के लिए तैयार है

फिल्म 'आमी डाकिनी' को देखना है बेहद जरूरीसोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का बहुप्रतीक्षित शो 'आमी डाकिनी' अपनी रहस्यमयी कहानी और गहराई से भरे माहौल के साथ दर्शकों को सम्मोहित करने के लिए तैयार है। कोलकाता की गलियों में फिल्माया गया यह शो "हुस्न भी, मौत भी" की एक नई व्याख्या प्रस्तुत करता है। इसके केंद्र में है डाकिनी – एक रहस्यमयी शख्सियत, जिसकी खामोशी बोलती है, जिसकी नजरें बेचैन करती हैं, और जिसकी मौजूदगी लंबे समय तक बनी रहती है।

टीवी शो

'आमी डाकिनी' का प्रसारण शुरू हो रहा है 23 जून से

● **दमदार मुख्य तिकड़ी:** हितेश भारद्वाज, राची शर्मा और शीन दास की तिकड़ी शो में गहराई, संवेदनशीलता और यथार्थ लेकर आती है। हितेश अयान के रूप में आंतरिक संघर्ष को जीवंत करते हैं, राची मीरा के रूप में भावनात्मक मजबूती का प्रतीक हैं, और शीन डाकिनी के रूप में रहस्यमयी और परतदार मौजूदगी को बख़ूबी निभाती हैं। इन तीनों की परफॉर्मेंस शो की रीढ़ हैं और दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाती हैं।

● **सोनी टीवी की डरावनी थीम में वापसी:** 'आहट' से लेकर अब 'आमी डाकिनी' तक, सोनी ने अपने खास डरावने और थ्रिलर वाले अंदाज़ को हमेशा जिंदा रखा है। इस बार भी डर मौजूद है, लेकिन इस बार उसके साथ भावनाओं की गहराई और एक नई कहानी की पृष्ठभूमि है जो अनुभव को और भी प्रभावशाली बनाती है।

● **कोलकाता की गलियों का जादू:** कोलकाता की धुंध भरी गलियां, औपनिवेशिक वास्तुकला और रहस्यमयी माहौल केवल दृश्य नहीं हैं — वे हर सीन की भावनात्मक गहराई को बढ़ाते हैं। इस शहर की आत्मा कहानी का हिस्सा बन जाती है — दुख, डर और दिल को छू लेने वाले पलों को और अधिक प्रभावशाली बनाते हुए।

● **टेलीविजन, जो बड़े पर्दे जैसा अनुभव देता है:** 'आमी डाकिनी' सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न की उच्च गुणवत्ता वाली प्रस्तुतियों की पहचान है। शो में खूबसूरत सेट डिज़ाइन, माहौल को अद्भुत बनाने वाली लाइटिंग, और बारीकी से रची गई साउंड डिजाइन है, जो खास आकर्षण बनकर उभरेगी।

'निकिता रॉय' ने खत्म कर दीं भाई-बहन की दूरियां

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी को एक साल होने आ रहा है। दोनों ने बीते वर्ष 23 जून को रजिस्टर्ड मैरिज की। सोना की शादी इसे लेकर भी चर्चा में रही कि उनके दोनों भाई शादी की तस्वीरों में नजर नहीं आए। ऐसे कयास लगाए जाने लगे कि अभिनेत्री के दोनों भाई शायद दूसरे धर्म में शादी करने को लेकर सोनाक्षी से खुश नहीं, इसलिए शादी में शिरकत नहीं की। शादी के बाद सोनाक्षी और उनके भाईयों के बीच रिश्ते में खटास आने की बातें भी कही गईं। मगर, कुश सिन्हा के हालिया पोस्ट से सब साफ हो गया है।

● **भाई के निर्देशन में बनी पहली फिल्म में नजर आएंगी सोनाक्षी:** सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबार की शादी के करीब एक साल बाद कुश सिन्हा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने बहन सोनाक्षी को टैग किया है।

दरअसल, मामला यह है कि सोनाक्षी की अगली फिल्म है 'निकिता रॉय'। इस फिल्म के निर्देशन की कमान कुश सिन्हा ने संभाली है। कुश इसके जरिए निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं।

● **कुश सिन्हा ने शेयर की यादों से तस्वीर:** शनिवार 21 जून को कुश सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने फिल्म की शूटिंग की पहले दिन की तस्वीर शेयर की है, जो खुद उन्होंने ही क्लिक की। तस्वीर में सोनाक्षी सिन्हा और सुहैल नैय्यर नजर आ रहे हैं। इसके साथ कुश ने कैप्शन लिखा है, 'सोनाक्षी (निकिता रॉय) और सुहैल (जॉली जय हंस) के साथ शूटिंग का पहला दिन। 'निकिता रॉय' की यादों से तस्वीर'।

हालिया पोस्ट में कुश ने सोनाक्षी को किया टैग

● **सोनाक्षी बोलीं- 'आपके श्राप से मेरा कुछ नहीं बिगड़ने वाला':** सोनाक्षी सिन्हा ने यह फोटो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर लिखा है, 'फिल्म 27 जून को थिएटर्स में रिलीज होगी'। इसके अलावा उन्होंने फिल्म का एक वीडियो भी शेयर किया है। साथ में लिखा है, 'निकिता वर्सेज नेगेटिविटी। आपके श्राप से मेरा कुछ नहीं बिगडने वाला! इस बार डरने की बारी उसकी है, जो सबको डराता था'। इस फिल्म में परेश रावल और अर्जुन रामपाल भी अहम भूमिका में हैं। यह सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म है।

● **कुश बोले- वे शादी में मौजूद थे:** करीब एक साल बाद कुश सिन्हा ने बहन सोनाक्षी सिन्हा की शादी में शामिल नहीं होने पर भी प्रतिक्रिया दी है। ईटाइम्स के साथ बातचीत में कुश ने कहा है, 'पिछले साल से एक गलतफहमी चल रही है। सोनाक्षी मेरी बहन है। मैं उसकी शादी में मौजूद था। मुझे नहीं पता कि किसने यह अफवाह फैलाई कि मैं वहां नहीं था'।

तमिल के अलावा दूसरी भाषा की फिल्मों में धनुष ने किया शानदार काम

अभिनेता धनुष की नई फिल्म 'कुबेर' को दर्शक प्यार दे रहे हैं

शुक्रवार को तमिल के सुपरस्टार धनुष की फिल्म 'कुबेर' रिलीज हुई है। भ्रष्टाचार पर आधारित फिल्म को दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। ओपनिंग डे पर ही कुबेर ने बॉक्स ऑफिस पर 14.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। यह दूसरी बार है जब धनुष ने तेलुगु फिल्म में अदाकारी की है। आइए जानते हैं धुनष ने और किन भाषाओं की फिल्मों में काम किया है।

▸▸ **हिंदी:** धनुष ने सोनम कपूर के साथ हिंदी फिल्म 'राझणा' (2013) में बेहतरीन अदाकारी की थी। फिल्म को खूब पसंद किया गया था। 36 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने 105 करोड़ रुपये की कमाई की थी। साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'शमिताभ' में धनुष ने अमिताभ बच्चन के साथ अदाकारी की थी। फिल्म में उनकी अदाकारी की तारीफ हुई थी लेकिन फिल्म कुछ खास नहीं कर पाई थी। साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'अतरंगी रे' में धनुष ने अहम किरदार निभाया था। इसमें धनुष के अभिनय की तारीफ हुई थी।

▸▸ **तमिल:** धनुष ने तमिल में कई फिल्में की हैं। उनकी ज्यादातर तमिल फिल्में हिट रही हैं। यही वजह है कि उन्हें तमिल का सुपरस्टार कहा जाता है। धनुष की तमिल फिल्मों में 'असुरन', चेन्नई सेंट्रल, सर, रायान और थोडारी जैसी कई फिल्में शामिल हैं।

धनुष तमिल के सुपरस्टार रजनीकांत के दामाद हैं। उनकी शादी रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या से हुई है।

▸▸ **अंग्रेजी:** धनुष ने अंग्रेजी फिल्मों में भी अच्छा काम किया है। उन्होंने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर' में काम किया है। फिल्म में धनुष के अभिनय की तारीफ हुई लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छा नहीं कर सकी। इसी तरह से धनुष साल 2022 में 'द ग्रे मैन' में नजर आए। फिल्म में धनुष के रोल की तारीफ हुई।

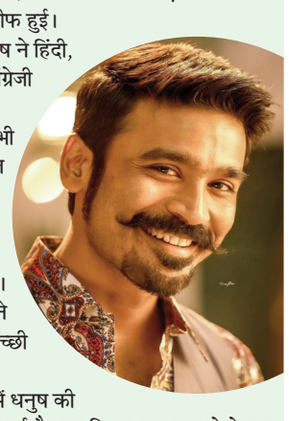

▸▸ **मलयालम:** धनुष ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और अंग्रेजी फिल्मों के अलावा मलयालम फिल्म में भी हाथ आजमाया। साल 2013 में रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'प्रोपराइटर' में धनुष ने कैमियो रोल किया। फिल्म हिट रही। इसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की।

▸▸ **तेलुगु:** हाल ही में धनुष की फिल्म 'कुबेर' रिलीज हुई है। यह फिल्म मूल रूप से तेलुगु भाषा में बनी है। इससे पहले धनुष ने तेलुगु फिल्म 'वाथी' में अभिनय किया था। यह फिल्म साल 2023 में रिलीज हुई थी। 30 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने 105 करोड़ रुपये का कारोबार किया। धनुष का असली नाम वेंकेटश प्रभु कस्तूरी राजा है। धनुष भारतीय सिने अभिनेता तो हैं हीं, इसके साथ ही साथ वे निर्माता, गीतकार और पार्श्व गायक भी हैं और मुख्य रूप से वे तमिल सिनेमा में काम करते हैं। उन्हें फिल्म 'आदुकलम' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिल चुका है। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान तब मिली जब उनका गाया हुआ गाना 'वाय दिस कोलावरी डी' यू ट्यूब पर छा गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401